राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

गन्स एंड गुलाब में नए ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 01 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 222 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले: वहां त्रिशूल क्या कर रहा है ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर को मस्जिद नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम पक्ष को अपनी ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए और समाधान के लिए आगे आना चाहिए। ज्ञानवापी और काशी विश्वनाथ मंदिर मुद्दे के समाधान के बारे में पूछे जाने पर, उत्तर प्रदेश के सीएम ने एएनआई से कहा कि कहा, ष्अगर हम ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं तो विवाद होगा। मुझे लगता है कि लोगों को जांच करनी चाहिए – एक शत्रिशूलश मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है? योगी ने आगे कहा कि हमने तो इसे वहां नहीं रखा है। वहां ज्योतिर्लिंग है, भगवान की मूर्तियां हैं, दीवारें चिल्ला रही हैं और मुझे लगता है कि मुस्लिम पक्ष को अपनी ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए और समाधान का प्रस्ताव देना चाहिए। आपको बता दें कि ज्ञानवापी का मामला कोर्ट में है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी सर्वेक्षण मामले में सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। अदालत तीन अगस्त को निर्णय सुनाएगी। तब तक एएसआई सर्वेक्षण पर लगी रोक बरकरार रहेगी।

ज्ञानवापी मामले पर सीएम योगी के बयान पर ओवैसी का पलटवार, बोले– क्या मुख्यमंत्री कानून को मानेंगे या नहीं

ज्ञानवापी परिसर मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई जारी है। इन सब के बीच आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐसा बयान इसके बाद राजनीति शुरू हो गई है। योगी आदित्यनाथ के बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी पलटवार किया है। अपने बयान में ओवैसी ने कहा कि मुख्यमंत्री यह जानते हैं कि मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एएसआई सर्वे का विरोध किया है। इस मामले में कुछ दिन में फैसला भी सुनाया दिया जाएगा। फिर भी उन्होंने इस तरह का बयान दिया है, यह न्यायिक अतिरेक है। इसके साथ ही ओवैसी ने 1991 के एक्ट का भी जिक्र किया। ओवैसी ने कहा कि प्लेसेस ऑफ वॉरशिप एक्ट को सभी को मानना होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री उसे नकार नहीं सकते।

अवैध मिनी गन फैक्टरी का भंडाफोड़, 20 पिस्तौल और 40 मैग्जीन बरामद

पटना/खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने जिला पुलिस के सहयोग से एक अवैध मिनी गन फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए 20 पिस्तौल और 40 मैग्जीन सहित अन्य हथियार बरामद किए हैं। पटना स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, एसटीएफ ने खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र के फांगो गांव में अवैध मिनी गन फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए एक हथियार तस्कर को कई अवैध हथियारों और हथियार बनाने वाले उपकरणों के साथ रविवार को गिरफ्तार किया। खगड़िया पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान 18 पिस्तौल, 40 मैग्जीन, दो देशी पिस्तौल, एक ग्राइंडर मशीन, एक वेल्डिंग मशीन और हथियार बनाने वाले अन्य उपकरण बरामद किए गए। जिला पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार हथियार तस्कर का नाम मोहम्मद तनवीर है और वह मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरदह गांव का रहने वाला है।

मेरे परिवार का कोई सदस्य डब्ल्यूएफआई चुनाव में दावेदारी पेश नहीं कर रहा: बृज भूषण

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने सोमवार को कहा कि उनके परिवार का कोई सदस्य राष्ट्रीय खेल संस्था के आगामी चुनाव में दावेदारी पेश नहीं करेगा लेकिन उन्होंने दोहराया कि उनके गुट को 22 राज्य संघों का समर्थन हासिल है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृज भूषण ने दावा किया है कि रविवार को उनकी मेजबानी में हुई बैठक में 25 राज्य इकाइयों में से 22 ने हिस्सा लिया। उन्होंने साथ ही कहा कि महासंघ के 12 अगस्त को होने वाले चुनावों के विभिन्न पदों के लिए 'उनके उम्मीदवारों' की घोषणा सोमवार को की जाएगी। बृज भूषण सोमवार को डब्ल्यूएफआई चुनावों के लिए नामांकन के अंतिम दिन यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यालय भी गए। बृज भूषण ने कहा, ''आज नामांकन का अंतिम दिन है, 22 राज्य संघों के सदस्य यहां थे और वे मिलने के लिए आए हैं और अब अपना नामांकन भरने जा रहे हैं। इनमें मेरे परिवार का कोई सदस्य नहीं है।'' उन्होंने

कहा, ''पहले चुनाव होने दीजिए और फिर जो भी जीतेगा वह अपना काम करेगा।'' ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक तथा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित देश के शीर्ष छह पहलवानों ने बृज भूषण पर कथित रूप से यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे और जंतर–मंतर पर धरना–प्रदर्शन भी किया था।

बृज भूषण हालांकि चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं क्योंकि वह राष्ट्रीय महासंघ के प्रमुख के तौर पर 12 साल पूरे कर चुके हैं जो राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत पद पर बने रहने के लिए अधिकतम समय है। बृज भूषण का बेटा करण भी मतदाता सूची का हिस्सा नहीं है क्योंकि खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने जंतर–मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को वादा किया था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता के परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा। डब्ल्यूएफआई के शीर्ष पद के लिए बृज भूषण के उत्तराधिकारी माने जा रहे उनके दामाद विशाल सिंह (बिहार कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष) भी 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में किसी शीर्ष पद के लिए दावेदारी पेश नहीं करेंगे। बृज भूषण के उम्मीदवारों को हालांकि विरोधी गुट से चुनौती मिलेगी जो कथित तौर पर यहां विभिन्न स्थलों पर बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में कथित तौर पर असम, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश की राज्य इकाइयों ने हिस्सा लिया।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला: लालू परिवार को बड़ा झटका, ईडी ने 6 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में सोमवार को जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की संपत्ति कुर्क कर ली। संपत्तियों में यादव परिवार की दिल्ली और पटना की संपत्ति शामिल है, जिसमें न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक आवासीय घर भी शामिल है। यह तब हुआ है जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को नौकरी के लिए भूमि घोटाले के संबंध में अपनी नई चार्जशीट में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के अलावा बिहार के डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव का नाम लिया है। आरोप पत्र, जिसमें 14 अन्य लोगों के भी नाम हैं, मामले में दूसरा आरोप पत्र है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर आरोप पत्र में आरोप लगाया गया कि तेजस्वी और राबड़ी कथित अपराध के लाभार्थी थे। उन्होंने कहा कि यादव परिवार के सदस्यों के अलावा, सीबीआई ने मामले में एके इंफोसिस्टम्स और कई बिचौलियों को भी नामित किया है। आरोपपत्र विशेष सीबीआई अदालत में दायर किया गया था। आरोप यह है कि 2004 से 2009 तक यूपीए सरकार में मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में स्थित विभिन्न जोनल रेलवे में पटना के स्थानापन्न लोगों को नियुक्त किया गया था। 2022 में दायर मामले में आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने बिहार के निवासियों को रेलवे में नौकरी देने के बदले में अपने परिवार के सदस्यों को आर्थिक लाभ दिलाया। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई जांच में बदले की भावना से भूमि हस्तांतरण के कम से कम सात उदाहरण सामने आए। एजेंसी के अनुसार, इन भूमि हस्तांतरणों के बदले में छह क्षेत्रों में बारह लोगों को नौकरियां मिलीं। इससे पहले दिल्ली की एक अदालत ने नौकरी के बदले कथित जमीन घोटाले से संबंधित एक मामले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद और रेलवे के कुछ अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन के वास्ते मंजूरी प्राप्त करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आठ अगस्त तक का समय दिया था।

कानपुर में कक्षा के बीच छात्र पर दूसरे छात्र ने किए चाकू से ताबड़तोड़ वार, मौत

कानपुर। यहां न्यू आजाद नगर स्थित प्रयाग विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एक छात्र की कक्षा में ही हत्या कर दी गई। मृतक छात्र 10वीं कक्षा में पढ़ता था। आरोपी और मृतक छात्र के बीच वारदात से एक दिन पहले किसी लड़की से बातचीत को लेकर लड़ाई हुई थी। मृतक नीलेंद्र तिवारी की उम्र 15 साल और आरोपी की उम्र 13 साल है। शनिवार को दोस्तों ने उनका झगड़ा शांत करा दिया था, लेकिन सोमवार को क्लास में उनके बीच फिर टकराव हो गया। गंगापुर कॉलोनी यशोदा नगर निवासी जितेंद्र तिवारी प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में 15 वर्षीय बेटा नीलेंद्र तिवारी, बेटी राधिका तिवारी, पत्नी पूनम हैं। नीलेंद्र पड़ोस के ही प्रयाग विद्या मंदिर में 10 ए का छात्र था। सुबह करीब 10 बजे नीलेंद्र का अपनी ही कक्षा में पढने वाले सहपाठी से किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। इसी बीच दूसरे छात्र ने चाकू निकाली और नीलेंद्र के गले पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। एक के बाद एक कई वार होने से नीलेंद्र बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे घायलावस्था में अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों में उसे मृत करार दिया।

द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना जल्द पूरी होगी : गडकरी

गुरुग्राम। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है और जल्द ही इस पर यातायात शुरू हो जाएगा। गुडगांव के सेक्टर 9ए में इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी और चाणक्य वार्ता परिवार द्वारा स्थापित किए जाने वाले इंडिया इंटरनेशनल कल्चरल सेंटर के शिलान्यास और तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने यह बात कही। मंत्री ने कहा कि जैसे ही इस एक्सप्रेसवे का निर्माण

पूरा हो जाएगा, द्वारका और पुराने गुरुग्राम क्षेत्र के निवासी दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे का उपयोग करके सोहना के माध्यम से केवल दो घंटे में जयपुर पहुंच सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से गुरुग्राम–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात का बोझ होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, दिल्ली में बन रही नई आउटर रिंग रोड का काम अगले छह महीने में पूरा हो जाएगा। इसके बाद पानीपत से आईजीआई एयरपोर्ट तक का सफर दो घंटे की जगह सवा घंटे में पूरा होगा। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिवमूर्ति के पास इस रोड पर आठ लेन जमीन के अंदर और आठ लेन जमीन के ऊपर मजबूत सड़क नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की तिरुवनंतपुरम में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम । तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से शारजाह जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में तकनीकी खराबी के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इसके बाद सोमवार को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया।

सुबह 10.53 बजे 154 यात्रियों और चालक दल को लेकर तिरुचिरापल्ली से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद खबर आई कि इसे इमरजेंसी लैंडिंग कराने की जरूरत है। करीब 50 मिनट तक हवा में रहने के बाद यह तिरुवनंतपुरम हवाईअड्डे पर सुरक्षित उतर गया। पूर्ण आपात स्थिति के अलावा हवाईअड्डे पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान की तिरुवनंतपुरम में लैंड कराने का एक कारण एयर इंडिया हैंगर की उपस्थिति भी थी। विमान में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

मणिपुर हिंसा के पीछे अफीम की खेती और नार्को आतंकवाद, सीजेआई ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा पर एक नई जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें अन्य बातों के अलावा कथित पोस्ते की खेती और नार्को–आतंकवाद की एसआईटी जांच की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि इस पर विचार करना बहुत कठिन है क्योंकि इसमें केवल एक समुदाय को दोषी ठहराया गया। याचिकाकर्ता मायांगलांबम बॉबी मीतेई की ओर से पेश वरिष्ठ वकील माधवी दीवान ने याचिका वापस लेने की मांग की और उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गई।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज

मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस याचिका पर विचार करना बहुत मुश्किल है क्योंकि यह एक समुदाय पर दोषारोपण करती है। आप अधिक विशिष्ट याचिका के साथ आ सकते हैं। इस याचिका में हिंसा से लेकर नशीले पदार्थों से लेकर वनों की कटाई तक सब कुछ है। पीठ ने कहा कि दीवान ने हाल की हिंसा के लिए सीमा पार आतंकवाद और राज्य में पोस्ता की खेती को जिम्मेदार बताया। दलील नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और एनएचआरसी के साथ–साथ राज्य सरकार सहित अन्य पक्षों द्वारा दी गई है। पीठ के समक्ष मणिपुर हिंसा के कई पहलुओं से संबंधित अन्य याचिकाएं भी हैं। 3 मई को राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से कम से कम 150 लोग मारे गए हैं और कई सौ घायल हुए हैं, जब बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में श्आदिवासी एकजुटता मार्चश आयोजित किया गया था।

मणिपुर पर संसद में तकरार बरकरार, अनुराग ठाकुर बोले– चुनावी वर्ष में सिर्फ राजनीति कर रहा विपक्ष

नई दिल्ली। मणिपुर मामले को लेकर संसद में जबरदस्त तरीके से तकरार जारी है। एक ओर विपक्षी जहां मणिपुर पर चर्चा की मांग कर रहा है तो वहीं सरकार भी साफ तौर पर कह रही है कि वह चर्चा को तैयार है। बावजूद इसके तकरार कम नहीं हो पा रही है। इन सबके बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वार–पलटवार का दौर भी जारी है। सत्तापक्ष जहां विपक्षी दलों पर राजनीति का आरोप लगा रही है तो वहीं विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग की जा रही है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हमने जब उनकी मणिपुर पर चर्चा की मांग को स्वीकार किया तो उन्होंने प्रधानमंत्री के सदन में आकर जवाब देने की मांग रखी। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि मसला शांतिपूर्ण समाधान की तरफ बढ़े। वे ऐसे मसले पर भी राजनीति कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सदन

के अंदर आएं और चर्चा में भाग लें। सरकार पहले दिन से चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ऐसी क्या मजबूरी है कि वे चर्चा से भाग रहे हैं. ..साफ दिखता है कि वे चुनावी वर्ष में सिर्फ राजनीति करने का काम कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अगर आपको 2018 की याद हो तो तब भी विपक्ष यह जानते हुए भी कि भाजपा–छक। के पास पूर्ण बहुमत है उसके बाद भी अविश्वास प्रस्ताव लाया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्पीकर जब चाहे तब अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करे, सरकार चर्चा के लिए तैयार है और देश को भी विपक्ष का असली चेहरा नजर आए। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि हम चाहते हैं कि आज दोपहर 2 बजे संसद में मणिपुर पर चर्चा हो। वे (विपक्ष) सदस्यों को दी गई स्वतंत्रता का दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है।

प्राथमिक विद्यालय परमापुर वजीरगंज में शिक्षा चौपाल का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। स्कूली शिक्षा महानिदेशक आदरणीय विजय किरण आनंद एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोण्डा प्रेमचंद यादव जी द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में प्राथमिक विद्यालय परमापुर शिक्षा क्षेत्र वजीरगंज में शिक्षा चौपाल का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार पांडेय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ए आर पी धीरेन्द्र प्रताप सिंह, गंगेश्वर प्रसाद द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवम माल्यार्पण से हुआ।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के सहायक अध्यापक बृजभूषण पाण्डेय के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की सहायक अध्यापिका कुसुमलता कुशवाहा द्वारा उपस्थित अभिभावकों एवं आम जनमानस को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा की तथा सभी बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावको से अपील की। एआरपी धीरेन्द्र सिंह द्वारा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका आधारित शिक्षण, प्रिंट रिच सामग्री, निपुण लक्ष्य, निपुण तालिका, निपुण सूची, गणित विज्ञान किट के बारे में उपस्थित जन समुदाय का उन्मुखीकरण किया गया। एआरपी गंगेश्वर प्रसाद के द्वारा लाइब्रेरी बुक, डिजिटल कंटेंट, कक्षा कक्ष के रुपांतरण एवं छात्रों की नियमित उपस्थिति के बारे में चर्चा की गयी। जानकारी प्रदान की गई। चंदापुर के नोडल संकुल राधेश्याम तिवारी के द्वारा बेसिक शिक्षा के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों,आई सी टी आधारित शिक्षण, दीक्षा एप, रीड एलोन्ग एप, निपुण लक्ष्य एप आदि के प्रयोग द्वारा तथा क्यू आर कोड के माध्यम से शिक्षा प्रदान किए जाने की जानकारी प्रदान की। विद्यालय की शिक्षा मित्र मंजू सिंह एवम रामशंकर मौर्य ने चौपाल को संबोधित करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की आंगनबाड़ी कार्यकत्री रश्मि वर्मा आंगनबाड़ी सहायिका मालती देवी आशा बहू बिट्टन सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जगदम्बा सिंह एवं सभी सदस्य एवम बिंदु कुमार, मंजू, अनीता, गायत्री देवी, प्रीति, धर्मावती, मुन्नी देवी, किरण सिंह, अनारकली, नीलम, राजपति देवी, देवलाल, अर्जुन सिंह आदि अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाध्यापक द्वारा सभी आए हुए अतिथियों एवम ग्रामवासियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

फसल बीमा की तिथि में संशोधन:जिला कृषि अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसल बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई, 2023 के स्थान पर संशोधित करते हुये 10 अगस्त, 2023 तक निर्धारित की गयी है। यह जानकारी जिला .षि अधिकारी आर0पी0 राणा द्वारा दी गयी। उन्होंने कहा कि जनपद बलरामपुर के अधिसूचित क्षेत्रों के समस्त विकास खण्ड में अधिसूचित फसल धान हेतु 31 जुलाई से 10 अगस्त, 2023 तक, टमाटर पचपेड़वा, बलरामपुर, हर्रैया–सतघरवा हेतु 30 नवम्बर तक तथा आम गैंसड़ी, पचपेड़वा, तुलसीपुर, बलरामपुर व उतरौला 15 दिसम्बर, 2023 तक ऋणी किसान भाई अधिसूचित फसल का बीमा सम्बन्धित बैंक शाखाओं से करा सकते है ।

इसके लिए आधार नम्बर आवश्यक होगा। यदि ऋणी .षक योजना में शामिल नहीं होना चाहते है तो ऐसी स्थिति में अपने बैंक शाखा स्तर पर बीमा कराने की अन्तिम तिथि के 07 दिन पहले लिखित अनिवार्य रूप से सूचना देना होगा। उन्होंने कहा कि गैर ऋणी .षक स्वैच्छिक आधार पर अपनी निकटतम बैंक शाखा/बीमा कम्पनी के बीमा मध्यस्थ/कामन सर्विस सेन्टर, सीधे बीमा पोर्टल पर ऑनलाइन बीमा करा सकते है। बीमा कराते समय .षक आवश्यक प्रपत्र यथा– आधार कार्ड (अद्यतन), भूमि स्वामित्प दस्तावेज– अधिकार का रिकार्ड (आरओआर) और भूमि कब्जा प्रमाण पत्र (एलपीसी), बैंक पासबुक (प्रथम पृष्ठ बैंक खातों के विवरण के साथ), फसल बुवाई प्रमाण पत्र, बटाईदार किसान या किराये पर ली गयी भूमि की स्थिति में, भूमि के मालिक के साथ अनुबन्ध समझौता, किराया, पट्टा विलेख, भूमि के मालिक का सुस्पष्ट आधार कार्ड तथा मोबाइल नम्बर इत्यादि एवं .षक मोबाइल नम्बर साथ रखेगें। उन्होंने समस्त बैंको के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा जन सेवा केन्द्रों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का .षकों के हित में अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करते हुए अधिक संख्या में .षकों को बीमा कराने हेतु प्रेरित करें, जिससे अधिक से अधिक संख्या में .षक बीमा योजना का लाभ प्राप्त कर सके।

आज ऐतिहासिक स्वच्छता अभियान की गवाह बनेगा गोण्डा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। मेरा गोण्डा मेरी शान अभियान के तहत अम्बेडकर चौराहे से गोण्डा–लखनऊ मार्ग की सीमा तक 45 किमी मार्ग होगा स्वच्छ सुबह आठ बजे से होगी शुरुआत, 1000 से ज्यादा सफाईमित्र बदलेंगे मार्ग की तस्वीर पहली बार प्रदेश में इतने बड़े मार्ग को एक बार में साफ और स्वच्छ बनाने के लिए संचालित होगा विशेष अभियान जन प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवाओं समेत हर नागरिक से सहभागिता की अपील हमारा गोण्डा आज 01 अगस्त स्वच्छता के ऐतिहासिक अभियान का गवाह बनने जा रहा है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की पहल पर गोण्डा में पहली बार वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान गोण्डा शहर के अम्बेडकर चौराहे से लेकर गोण्डा–लखनऊ मार्ग की सीमा तक 45 किलोमीटर के मार्ग को साफ और स्वच्छ बनाया जाएगा। प्रदेश में यह पहली बार है जब इतने बड़े मार्ग को एक बार में साफ और स्वच्छ बनाने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने में 1000 से ज्यादा सफाईमित्र अपना विशेष योगदान देंगे। यह सफाई मित्र सुबह आठ बजे से शुरुआत करेंगे और कार्य समाप्ति तक निरंतर इनके प्रयास जारी रहेंगे। जनप्रतिनिधियों द्वारा अम्बेडकर चौराहे से इसकी शुरुआत होगी। जिला प्रशासन की ओर से इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवाओं समेत हर नागरिक से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

बीते 15 जुलाई को मेरा गोण्डा, मेरी शान अभियान की शुरुआत की गई है। आगामी 15 अगस्त तक संचालित इस अभियान के माध्यम से जनपद को साफ और स्वच्छ बनाने एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में रैंकिंग को बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से कूड़े के नियमित डोर टू डोर कलेक्शन, समुचित निस्तारण, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का बेहतर रख–रखाव के साथ ही जनपद के सौंदर्यीकरण पर जोर दिया जा रहा है। 73 टीमों का गठन किया गया मेरा गोण्डा मेरी शान अभियान के अन्तर्गत ही इस वृहद स्वच्छ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अभियान को सफल बनाने के लिए गोण्डा–लखनऊ मार्ग सीमा तक साफ–सफाई के लिए स्थल चिन्हित कर लिए गए हैं। चिन्हित स्थलों पर साफ सफाई के लिए नोडल अधिकारी एवं टीम लीडर नामित करते हुए सफाई कर्मियों एवं बेलदारों की टीम बनाई गई है। कुल 73 टीमों का गठन किया गया है। सभी विभागों के समन्वय एवं जनभागीदारी से इसका आयोजन किया जा रहा है। जनसहभागिता की अपील इस ऐतिहासिक अभियान को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके तहत, जिलाधिकारी ने सभी स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवाओं समेत जनपद के प्रत्येक नागरिक से आगे आने की अपील की है। डीएम ने कहा कि इस ऐतिहासिक अभियान के दौरान जनपदवासी अपने आस–पास के क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाकर भी इस अभियान से जुड़ सकते हैं।

किसान भाई उपनिदेशक कृषि कार्यालय पहुंचकर अनुदान पर क्रय करे संकर बीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला .षि अधिकारी आरपी राणा ने बताया की खरीफ 2023 में प्रदेश में सूखा एवं अवर्षण के .ष्टिगत अपर .षि निदेशक, (बीज एवं प्रक्षेत्र) उवप्रव .षि भवन लखनऊ के निर्देश के क्रम में एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर उप .षि निदेशक कार्यालय परिसर में अधि.त पंजी.त संकर बीज वितरण कम्पनियों द्वारा स्टाल/प्रदर्शनी लगाकर अनुदान पर संकर बीज उपलब्ध कराया जायेगा। .षक बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि अपनी आवश्यकता के अनुसार उप .षि निदेशक कार्यालय परिसर में सम्बन्धित स्टाल से संकर बीजों यथा संकर मक्का, संकर बाजरा तथा संकर ज्वार अनुदान पर बीज क्रय कर सकते है।

संदिग्ध अवस्था में मिला अधेड़ का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। संदिग्ध अवस्था में मिला अधेड़ का शव थाना श्रीदत्तगंज के ग्राम नवडीहवा पुरैना वाजिद निवासी 65 वर्षीय अधेड़ कासिम अली की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम रमजान जोत सिवान में धान के खेत में पड़ा मिला। सोमवार को किसान जब अपने खेत में खाद छिड़कने गए थे तो लाश को देखकर चौंक गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार दुबे ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। मृतक के बहू कलीमुननिशा ने अपने ससुर कासिम अली के गुमशुदगी की सूचना सम्बंधित थाने पर आज ही दिया था।

हरियाली महोत्सव में पारम्परिक कजरी गीतों की धूम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कसौधन महासभा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन कसौधन के संयोजन में करूवा बाबा साहू धर्मशाला के सभागार में 'हरियाली महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेंहदी प्रतियोगिता, ढोलक, कजरी, लोकगीत, कला प्रतियोगिता, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। झूला झूलै नंदलाल, संग राधा गुजरी, कहैं राधा जी पुकार, पेगें मारऽ सरकार, उड़े पगिया तोहार, मोरी उड़े चुनरी' जैसे अनेक पारम्परिक गीतों के बीच अनेक आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्.त किया। हरियाली महोत्सव में कसौधन महासभा के जिलाध्यक्ष वृजकिशोर कसौधन ने कहा कि हमारी लोक परम्परायें धीरे–धीरे समाप्त हो रही हैं, ऐसे में नई पीढी को उनके सरोकारों से जोडा जाय, महोत्सव का यही उद्देश्य है। अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन कसौधन ने कहा कि हमें अपनी परम्पराओं की थाती को मजबूत करना होगा। कार्यक्रम में श्रेया प्रजापति, दिव्या त्रिपाठी, शालिनी मिश्रा, राखी, श्रद्धा कसौधन आदि ने कहा कि हमारी आध्यात्मिक चेतना में भगवान शिव और माता पार्वती रचे बसे हैं। हरियाली तीज इसी को समर्पित पर्व है। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य नयी पीढी को संस्कारवान बनाना है। रंगोली प्रतियोगिता में तोशिका प्रथम, वैष्णवी द्वितीय, मुस्कान तृतीय, कला प्रतियोगिता में सिद्धी कसौधन प्रथम, मान्या, द्वितीय कार्तिकेय तृतीय, मेंहदी प्रतियोगिता में रिया कसौधन प्रथम, पूजा कसौधन द्वितीय, अन्नू, सृष्टि, आकांक्षा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पवन कसौधन, राजेन्द्र कसौधन, राजेश, मनोज, हिमांशु, रवि, संघ मित्रा, शिल्पी, रानी देवी, बीना, सरोज कसौधन के साथ ही कसौधन महासभा के अनेक पदाधिकारी और बड़ी संख्या में महिलायें शामिल रहीं।

- **पुरस्कृत हुये प्रतियोगिताओं के विजेता**
- **युवा पीढी को परम्पराओं से जोड़ने की पहल है महोत्सव-कंचन कसौधन**

पीआरवी कर्मचारियों का 18 दिवसीय फ्रेशर प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला प्रशिक्षण ईकाई, पुलिस लाइन बलरामपुर में दिनांक–10.07.2023 से आयोजित किये जा रहे 18 दिवसीय फ्रेशर प्रशिक्षण (जिसमें कुल 30 (07 मुख्य आरक्षी, 22आरक्षी एवं 01 महिला आरक्षी) का पुलिस अधीक्षक बलरामपुर की उपस्थिति में समापन हुआ, परीक्षा में प्रथम स्थान आरक्षी विशाल मिश्रा, द्वितीय स्थान आरक्षी कौशल कुमार तथा तृतीय स्थान आरक्षी विशाल श्रीवास्तव ने प्राप्त किया, जिन्हें अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया ।इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन बलरामपुर राधा रमण सिंहभी उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण में प्रभारी निरीक्षक यूपी–112 राजमणि शुक्ल व **MDSL** प्रशिक्षक राहुल शुक्ला व रत्नाकर पांडे द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीआरवी कर्मियों को **MDT** के संचालन, अग्नि सुरक्षा, साट स्किल, **SOP, HRMS** रिस्पांस टाइम, आपदा प्रबन्धन **SC ST** एक्ट, प्राथमिक उपचार, यातायात के नियम, वेपन्स के रख–रखाव आदि के बारे में आवश्यक जानकारी दी गयी तथा महिला सम्बन्धी इवेण्ट प्राप्त होने पर ैव्च के अनुसार कार्य करने हेतु दिशा निर्देश दिये गये। पीआरवी कर्मियों को इवेंट प्राप्त होने पर उत्.ष्ट रिस्पांस टाइम बनाए रखने, आम जनमानस व पीड़ित को तत्काल आपात सहायता प्रदान करते हुए किसी मामले में मौके पर पहुँचने पर मामले को नियंत्रित करते हुए व स्थिति की गम्भीरता को स्थानीय थाना प्रभारी को अवगत कराते हुए **MDT** पर सही तथ्यों की रिपोर्ट अवश्य अंकित करने तथा अपने निर्धारित प्वाइंट पर विजिविल्टी बनाये रखते हुए निष्ठा पूर्वक ड्यूटी करने हेतु निर्देशित किया गया ।

पड़ोसी पर घर के सामने कूड़ा कचरा फेकने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। पीड़ित महिला ने थाने पहुंचकर दिया लिखित तहरीर परसा मलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जिगिना निवासी सरोज पत्नी कमलेश ने रविवार को उक्त थाने पहुंचकर पुलिस को एक लिखित शिकायती पत्र दिया है जिसमें शिकायतकर्ता महिला ने लिखा है कि मेरे घर के सामने पड़ोसी कूड़ा कचरा फेक रहा था। जिसका हमने विरोध किया तो वह हम प्रार्थनी को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारने पीटने के लिए कुदाल लेकर दौड़ा लिया मै किसी तरह भाग कर अपने घर में छुपकर अपनी जान बचाई इस दौरान शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच बचाव किया। महिला ने यह भी लिखा है कि मेरे पति घर पर नहीं रहते है। मैं अकेली रहती हूं। पड़ोसी के .त्य से मैं काफी भयभीत हूं। इस सन्दर्भ में थानाध्यक्ष परसामलिक सुधाकर प्रसाद ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच कर कानूनी कार्यवाही किया जायेगा।

महाविद्यालय परिसर मे लगा हैण्ड पम्प विगत कई वर्षो से खराब

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर,गोण्डा। एक तरफ सरकार स्वस्थ शरीर के लिए शुद्ध जल पेय हेतु लोगो को जागरूक कर रही हैं जिसके लिए सरकार द्वारा इण्डिया मार्का हैण्डपम्प लगवा कर या जहाँ इण्डिया मार्का नल खराब पड़ा हैं उस हैण्ड पम्प का मरम्मत करवा कर पेय जल की समस्या को खत्म कर हर व्यक्तियों को शुद्ध जल पीने के लिए प्रेरित कर रही हैं ताकि कोई भी व्यक्ति अस्वस्थ न रहे। लेकिन फिर भी कुछ अधिकारी एवं कर्मचारी की वजह से केवल कागजो तक ही सीमित रहकर व्यक्तियों को शुद्ध जल के लिए तरसना पड़ रहा हैं ।जिसका जीता जागता उदाहरण हकीकुल्लाह चौधरी महा विद्यालय घारीघाट के प्रांगण मे लगा इण्डिया मार्का हैण्डपम्प विगत कई वर्षो से मरम्मत न होने से शो पीस बनकर खड़ा हैं जिसकी शिकायत विद्यालय प्रबंधन द्वारा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी सहित ग्राम प्रधान से किया गया लेकिन किसी भी संबंधित ने समस्या समाधान के लिए केवल आश्वासन के आलावा इस हैण्ड पम्प का मरम्मत नहीं करवाया जिससे बच्चो को पेय जल की समस्या बनी हुयी हैं जबकि केवल इस प्रांगण मे इकलौता इण्डिया मार्का हैण्ड पम्प लगा हैं वो भी कई वर्षो से ख़राब पड़ा हैं। इस बावत एडियो पंचायत बभनजोत राकेश कुमार श्रीवास्तव से दूरभाष से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि जल्द हम उस हैण्ड पम्प को संबंधित को भेज कर मरम्मत करवाकर शीघ्र पेय जल क़ी समस्या को खत्म करवाएगे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक,गोंडा। अज्ञात वाहन से टकराकर एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। सोमवार को गोंडा इटियाथोक मार्ग पर बहलोलपुर के पास पैदल जा रहा एक पैंतीस वर्षीय युवक तेज रतार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। युवक.की मौके पर ही मृत्यु हो गई। काफी देर तक युवक की पहचान नहीं हो सकी। चौकीदार राघवराम ने थाने पर घटना की सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सरोज ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सरोज ने बताया कि मृतक को किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई जिससे उसकी मौत हो गई इसकी सूचना जब पुलिस को मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतक की पहचान नहीं हो पाई है पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा पूर्वी उत्तर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा पूर्वी उत्तर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक लखनऊ के डीवीएसआर होटल में संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष क्षत्रिय शिरोमणि कुंवर हरिवंश सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह टेवा तथा संचालन प्रदेश अध्यक्ष (पूर्वी उत्तर प्रदेश) प्रीत कुमार सिंह ने किया। यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गेश सिंह चंचल ने कुँवर हरिवंश सिंह का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया। उक्त कार्यक्रम में सभी जनपद, मंडल व प्रदेश पदाधिकारियों ने आपसी सहमत से संगठन को और मजबूत करने संगठन के लिए कार्यकर्ता, कार्यालय व कोष की व्यवस्था मजबूत करने पर

चर्चा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह, प्रदेश मंत्री अखंड प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता कालिका सिंह, महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष अर्चना सिंह आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के 9 मंडल 36 जिलों के मेन बॉडी के जिला अध्यक्ष, यूथ विंग जिला अध्यक्ष व अन्य तमाम पदाधिकारी गणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष महेश सिंह, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ संतोष कुमार सिंह, प्रदेश अध्यक्ष यूथ विंग विनय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ विंग दुर्गेश सिंह चंचल, प्रदेश मंत्री मार्तंड सिंह कुक्कू मुख्य़ रुप से शामिल रहे। सिद्धार्थनगर जिला अध्यक्ष राजन सिंह, यूथ विंग जिला अध्यक्ष रत्नेश सिंह प्रिंस, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष जेपी सिंह, जिला उपाध्यक्ष कर्ण सिंह, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष ऑपरेशन सिंह, बस्ती मंडल अध्यक्ष सौरभ सिंह, महाराजगंज जिला अध्यक्ष यूथ विंग ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, महामंत्री अविनाश प्रताप सिंह, आकर्ष सिंह, कार्तिकेय सिंह, अमरजीत सिंह, अविनाश प्रताप सिंह, शिवेंद्र सिंह, भूपेश सिंह, छोटू सिंह, अमन सिंह, आयुष्मान सिंह, हरगोविंद सिंह, राहुल सिंह, अविनाश सिंह, अंशुमान सिंह, नरेंद्र सिंह, विशाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

नर्वदेश्वर सिंह के निधन पर किया गया शोक व्यक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार,सिद्धार्थनगर। रतन सेन डिग्री कालेज बांसी के बीएड विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष नर्वदेश्वर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उनके आकस्मिक निधन पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारियों व छात्र छात्राओं ने शोक व्यक्त किया। श्री सिंह महाविद्यालय के विकास में महती भूमिका का निर्वहन करते हुए महाविद्यालय में पठन पाठन और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करते रहे। प्रो सिंह के निधन से महाविद्यालय का अपूर्ण क्षति हुई है। महाविद्यालय परिवार दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके परिवार के समस्त लोगों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर ब्रह्मा सिंह, डॉ.शरीफूद्दीन, डॉ.संतोष कुमार सिंह, डॉ.राजेश कुमार यादव, डॉ. किरन देवी, डॉ. अरविन्द मौर्या, डॉ. देवराज सिंह, डॉ.देवेन्द्र कुमार, दयाशंकर, डॉ. हंसराज, राम बाबू, डॉ. रितेश शुक्ला, विकास सिंह, मनोज कुमार सोनकर, मनीष भारती, यतिन्द्र नाथ, प्रवीण कुमार शुक्ल, राजेश सिंह, जंग बहादुर, मनोज कुमार मौर्या,नन्द कुमार दूबे, सौरभ प्रताप सिंह, सुरेश, हरप्रीत, ज्ञानमती एवं कुमारे ने शोक सभा में सम्मिलित हो श्रद्धांजलि अर्पित की।

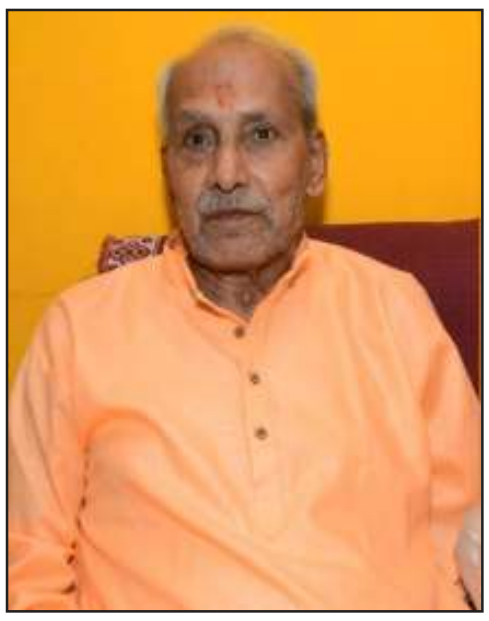

शिव महापुराण कथा के शुभारंभ पर निकली कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका,सिद्धार्थनगर। कस्बा के प्राचीन शिव मंदिर रेहरा बाजार

के परिसर में सोमवार से शिव महापुराण कथा शुरू हुआ है। इसका शुभारम्भ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा सोमवार को सुबह नौ बजे शिव मंदिर रेहरा बाजार से गांजे बाजे के साथ निकला। इस दिव्य शोभा यात्रा में 200 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में दो रथ, झांकी दर्शन, डी जे साउंड, ध्वजवाहक आदि शामिल रहा।।पूरे कलश यात्रा को ड्रोन कैमरा से शूट किया गया। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकल कर रेहरा, परती, ससनी आदि स्थानों होते हुए कस्बा के कूड़ा नदी के दुखी मांझी घाट पर पहुचा। यहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरकर श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुँचे। इस दौरान फूल कुमार, शिव जायसवाल, विजय यादव पहलवान, मुन्ना पटवा, संतोष, गोपाल, अंकित आदि श्रद्धालु शामिल रहे।

अजन्ता हास्पिटल एण्ड फ्रेक्चर क्लीनिक हास्पिटल पर हुई छापामारी

छापामारी के दौरान वहां न कोई डाक्टर पाया गया और ना ही कोई वैध कागजात मिलें

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। जिला सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ में दो दिन पूर्व प्राइवेट अस्पताल में लापरवाही के चलते एक महिला की मौत होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी नींद से जाग गये और शोहरतगढ़ कस्बे में छापामारी करना शुरु कर दिये, जिसमें अजन्ता हास्पिटल एण्ड फ्रेक्चर क्लीनिक हास्पिटल पर छापामारी हुई और वहां न कोई डाक्टर पाया गया और ना ही कोई वैध कागजात मिलें। वहीं जबकि अल्ट्रासाउण्ड हास्पिटल में पाया गया। लेकिन चलाने के लिये कोई वैध डाक्टर नही मौजूद थें। इसी क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी और तहसीलदार शोहरतगढ़ के मौजूदगी में अल्ट्रासाउण्ड और अन्य उपकरण के साथ अस्पताल को शील कर दिया गया। इसके साथ ही कस्बे में मौजूद नव जीवन हास्पिटल एण्ड फ्रेक्चर क्लीनिक पर नोटिस चस्पा कर दिया गया।

वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि लगातार प्राइवेट अस्पताल लापरवाही कर रहे है, इसलिये छापेमारी जारी रहेगी और अवैध अस्पतालों पर कार्यवाही होगी।

समतामूलक समाज की स्थापना के लिए बसपा जरुरी :महताब इदरीस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाँसी,सिद्धार्थनगर। देश व प्रदेश मे समतामूलक समाज की

स्थापना के लिए बसपा की सरकार बनाने की जरूरत है कार्यकर्ता अपना अपना बूथ मजबूत करने के लिए दिन रात काम करे तब हम लोकसभा चुनाव जीतेंगे। उक्त बातें पूर्व जिला कोषाध्यक्ष महताब अहमद इदरीस ने बाँसी विधानसभा के ग्राम रूदलापुर, हरैया कटहा, बनकटिया, पिपरहिया, गरगजवा आदि गांव मे बूथ कमेटी की समीक्षा करते हुए कहा उन्होंने कहा कि जब तक देश की बागडोर बहन जी के हाथों में नहीं जायेगा तब तक गरीबों का भला नहीं होने वाला है। बैठक को संबोधित करते जिला उपाध्यक्ष शमीम अहमद ने कहा कि बूथ करो मजबूत अभियान में अभी से लग जाये लोकसभा चुनाव किसी भी समय हो सकता है। बैठक का संचालन विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद कैफ व अध्यक्षता जिला सचिव विनोद कुमार राव बैठक मे मुख्य रूप से सेक्टर अध्यक्ष परमेश्वर प्रसाद विजय कुमार रवि कुमार रामऔतार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्भाजन एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुयी। उन्होने सभी से अपील किया कि मतदेय स्थलो के सम्भाजन के संबंध में प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दें ताकि उसका सत्यापन कराकर प्रस्ताव आयोग को भेंजा जा सकें। उन्होने कहा कि 1500 से अधिक मतदाता होने तथा वर्तमान मतदेय स्थल का भवन जर्जर होने की स्थिति में नया मतदेय स्थल बनाया जायेगा। उन्होने यह भी अनुरोध किया कि मतदेय स्थल पर आवश्यक सुविधाओं के संबंध में भी सुझाव प्रदान करे ताकि समय रहते उसमें सुधार किया जा सकें। मतदेय स्थल पर आवश्यक सुविधाओं में बिजली, पेयजल, शौचालय, बाउंड्रीवाल, गेट, खिड़की का दरवाजा, रैम्प आदि शामिल है। उन्होने कहा कि प्रत्येक विधानसभा में 25 कुल 125 आदर्श बूथ बनाये जायेंगे। इस संबंध में उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे बूथ का चयन कर लें। उन्होने बताया कि जनपद में कुल 1477 मतदान केन्द्र तथा 2138 मतदेय स्थल है। उन्होने बताया कि अर्हता तिथि 1.1.2024 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 17.10.2023 से 30.11.2023 तक संचालित होंगा। इसके अन्तर्गत 28 एवं 29 अक्टूबर तथा 4, 5 एवं 25, 26 नवम्बर को अभियान की विशेष तिथिया होंगी। 26 दिसम्बर तक प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जायेंगा। 05 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन किया जायेंगा। उन्होने बताया कि जनपद में कुल 1875158 मतदाता है। पुनरीक्षण अभियान के दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का सत्यापन कराया जायेंगा। इस आयु के जनपद में कुल 120240 मतदाता है।

आयोग के निर्देशानुसार अभियान के दौरान मतदाताओं का आधार कार्ड भी एकत्र किया जायेंगा। बैठक में सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति, एडीएम कमलेश चन्द्र, एसडीएम हर्रैया गुलाब चन्द्र, रूधौली के जी.के. झा., तहसीलदार सदर विनय प्रभाकर, के.के. मिश्रा, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष चन्द्र सिंह, जनप्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर, जावेद, शिवकुमार, अशर्फीलाल, के.के. तिवारी, जयप्रकाश पाण्डेय, बाबूराम सिंह, जयहिन्द गौतम उपस्थित रहें।

शिक्षा के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करना है हमारी प्राथमिकता:बीईओ महेंद्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका,सिद्धार्थनगर। उसका बीआरसी पर सोमवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार के अध्यक्षता में दिव्यांग छात्र छात्राओं के अभिभावकों का परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्लॉक के 60 अभिभावकों ने प्रतिभाग किया जिसमे

बीईओ ने कहा कि दिव्यांग छात्र छात्राओं को रोजाना स्कूल भेज। छात्र छात्राओं के लिए शिक्षा बहुत ही जरूरी है। शिक्षा प्राप्त करना सभी का अधिकार है और समाज में बदलाव लाने के लिए यह जरूरी है। टेलीविजन, रेडियो, अखबार के माध्यम से भी शिक्षा दिया जा सकता है इस सब के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक और शिक्षा देने की अति आवश्यक है। छात्र छात्राओं के अभिभावक को जानकारी देते हुए कहे कि दिव्यांग बच्चे को रोज स्कूल भेजना चाहिए साथ में शासकीय सुविधाओ से लाभान्वित कराए। इस कार्यक्रम में सदर बीइओ राजेश कुमार, शिक्षक प्रदुमन सिंह, हरि शंकर सिंह, अखिलेश मिश्रा, अजय भारती, राकेश पांडेय, अभिभावक विमल दिलीप ,गोपाल, आशीष ,लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी आदि रहे।

गाजे बाजे के साथ निकली कांवर यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार,सिद्धार्थनगर। सदर विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम

पंचायत जगदीशपुर ग्रांट के चिलेदर्राग्रान्ट मधुबनवा के शिव भक्तों ने गाजे बाजे के साथ नाचते गाते एक दूसरे को अबीर गुलाल लगते हुए कांवर यात्रा निकाला गया। कांवर यात्रा मधुबनवा से प्रारंभ हो कर बहोरी जोत,अमवा,ऊँचाहरिया सोहास होते हुए कूड़ा नदी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल भरा गया।हर हर महादेव का जय घोष लगता रहा।उसके बाद कांवर यात्रा सोहास, फुलवरिया, सोतिया दांडी, जगदीशपुर ग्रांट होते हुए वापस मधुबनवा में स्थित शिव मंदिर में स्थापित भोले नाथ को लोगों ने जलाभिषेक किया।

पी.जी. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अश्वनलाइन आवेदन प्रारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा,सोनभद्र। नगर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में पी.जी. (एम.ए.,एम.एस–सी.एम.काम.) प्रथम वर्ष शैक्षणिक सत्र 2023–24 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र 31 जुलाई 2023 से महाविद्यालय की वेबसाइट ॅ.हचहबवइतं.ब.पद अथवा ॅ.वदसपदमहचहबवइतं.वतह पर भरा जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक छात्र–छात्राएं वेबसाइट पर दिये गये निर्देशों के अनुसार आवेदन पत्र भर सकते हैं।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की किया समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। संतकबीरनगर कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की गयी। कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार की मन्त्री संत कबीर नगर की प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम उपस्थित रही।

कार्यक्रम मे उपस्थित प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम के अध्यक्षता में जिलाधिकारी एवं विधायक सहित अन्य लोगो ने प्रतिभाग किया। प्रभारी मंत्री ने जनपद में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा की जो भी कार्य अधूरे सहित अन्य विकास कार्य हो रहे है उन सभी कार्यो को गति देने का कार्य किया जाए एवं किसी भी तरह से आम जनमानस की सुरक्षा का ध्यान रखा जाए,और जो भी व्यक्ति काननू व्यवस्था को अपने हाथ मे लेकर लोगो को प्रताड़ित करने का कार्य करे तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक के दौरान सांसद प्रतिनिधि आंनद त्रिपाठी एवं सदर विधानसभा के विधायक अंकुर राज तिवारी ,मेहदावल विधानसभा के विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी एवं संतकबीरनगर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता सहित जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कुछ और गारंटियां चाहिए

कुद मोदी सरकार ने यह संसद में माना है और बताया है कि इसमें हर साल कई लोगों की जान जा रही है। लोकसभा के चालू सत्र में ही सरकार ने बताया है कि पिछले पांच सालों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई करने के दौरान पूरे देश में 339 लोगों की मौत के मामले दर्ज किये गए। इसका मतलब है इस काम को करने में हर साल ...

अर्थव्यवस्था का मूल्य बढना और उसके आधार पर विश्व में दर्जा बढना एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका श्रेय कोई नेता ले, तो उससे एक अजीबोगरीब संदेश जाता है। बहरहाल, अब प्रधानमंत्री से अपेक्षित है कि वे कुछ अन्य गारंटियां भी दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इसे ष्मोदी की गारंटीष के रूप में लेने को कहा। 2019 में चुनाव जीतने के बाद मोदी ने अपने मौजूदा कार्यकाल में भारत की पांच ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य घोषित किया था। लेकिन अब जबकि कार्यकाल अपने समाप्ति की तरफ है, अभी देश की अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन की भी नहीं हुई है। वैसे भी अर्थव्यवस्था का मूल्य बढना और उसके आधार पर विश्व में किसी देश का दर्जा बढना एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका श्रेय कोई नेता ले, तो उससे एक अजीबोगरीब संदेश ही जाता है। हकीकत यह है कि आज भी अगर प्रति व्यक्ति जीडीपी के पैमाने पर देखें, भारत का स्थान दुनिया में 128वां है। बहरहाल, चूंकि प्रधानमंत्री ने एक गारंटी दी है, जिसका चुनावी महत्त्व है, तो यह अपेक्षित है कि वे कुछ अन्य गारंटियां भी दें। मसलन, यह कि देश में बढने वाली संपदा का अधिक न्यायोचित वितरण सरकार सुनिश्चित नहीं करती है, तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि आम लोगों के लिए बेमतलब ही बनी रहेगी। प्रधानमंत्री से अपेक्षा है कि वे इसके लिए एक विश्वसनीय योजना पेश करें। ऐसा करते हुए उन्हें कुछ खास समस्याओं पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। मसलन, इनसानों से सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई करवाना बंद करने की सालों से उठ रही मांगों के बावजूद यह अमानवीय काम आज भी जारी है। कुद मोदी सरकार ने यह संसद में माना है और बताया है कि इसमें हर साल कई लोगों की जान जा रही है। लोकसभा के चालू सत्र में ही सरकार ने बताया है कि पिछले पांच सालों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई करने के दौरान पूरे देश में 339 लोगों की मौत के मामले दर्ज किये गए। इसका मतलब है इस काम को करने में हर साल औसतन 67.8 व्यक्तियों की जान गई। कानून के मुताबिक सफाई एजेंसियों के लिए सफाई कर्मचारियों को सुरक्षात्मक उपकरण देना अनिवार्य है, लेकिन एजेंसियां अक्सर ऐसा करती नहीं हैं। क्या इस स्थिति के रहते तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने से देश का गौरव सचमुच बढ़ सकेगा?

शिव सकारात्मक और रचनात्मक ऊर्जा के प्रेरणा पुंज हैं

सृजन की शक्ति के प्रदाता भगवान शिव हैं। वे सकारात्मक ऊर्जा के प्रेरणा पुंज है। रचनात्मकता उनका प्रस्थान बिंदु है। वे अविनाशी हैं ठीक उसी तरह जिस तरह ऊर्जा होती है। ऊर्जा का रूपांतरण होता है। ऊर्जा भी कभी विनष्ट नहीं होती है। वह एक रूप से दूसरे रूप में रूपांतरित हो जाती है। ऊर्जा सचेतन की प्रतिध्वनि है। सचेतन जीवित होने का प्रमाण है। शिव की भक्ति से ही व्यक्ति श्वांस ले पाता है। वे ही ब्रह्म हैं। भारतीय सनातन परंपरा में शब्द ही ब्रह्म है। शिव कहने और सुनने मात्र से ही सकारात्मक शक्तियों का संचार मानसिक संवेदना को उद्बुध करती है। शिव स्फोट के रूप में शब्द हैं। ईश्वर भी एक शब्द है। माता पार्वती भी शब्द है। गणेश जी भी शब्द हैं किंतु ये शब्द मनुष्य को अलौकिकतत्व का बोध कराते हैं। पवित्रता को प्रतिध्वनित करने के साथ ये व्यक्ति को भक्ति रस से आप्लावित करती हैं। मनुष्य को उच्चतम रसात्मक अनुभूति कराती हैं। शब्दों की सकारात्मक सत्ता उसे महनीय और वंदनीय बनाती है जबकि नकारात्मक शब्द व्यक्ति को डिस्टर्बिंग एलिमेंट के रूप में दुष्प्रचारित करवाती हैं। आदमी की आदमीयत के विरुद्ध उसे नकारात्मक शक्तियों से भर कर राक्षस बना देने के साथ संबंधित को समाज में अपमानित भी कराती हैं। शब्द ही सृजन है। शब्दों के सृजन कर्ता शिव हैं। कहते हैं कि शिव के डमरू बजाने के साथ ही 14 माहेश्वर सूत्र निकले।

लेखक विनय कान्त मिश्र/
दैनिक बुद्ध का संदेश

विलुप्ति से बचाना होगा बाघ को

इस कार्य के लिए मानव रहित हवाई वाहनों जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। हमें बाघों को विलुप्त होने से बचाना होगा। हमारा प्राथमिक लक्ष्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैंकि प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के मुद्दों के लिए जन जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। जहां संभव हो, स्थानीय समुदाय–आधारित संगठनों के साथ भागीदारी को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि...

प्रत्यूष शर्मा

बीघ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। बाघ रॉयल प्रजाति है और विभिन्न संस्कृतियों जैसे हिंदू और बौद्ध धर्म में पूजनीय है। ये पर्यावरण पर्यटन के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करने में भी मदद करते हैं। अवैध शिकार, अवैध व्यापार और आवास के नुकसान के कारण बाघों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। बाघ को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की पहली अनुसूची, अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची (रेड लिस्ट) में शविलुप्त होने के कगार पर्च रखा गया है और वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (साइट्स) के पहले परिशिष्ट में रखा गया है। बाघों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुए सम्मेलन में भारत समेत 13 देशों ने हिस्सा लिया था और यह घोषणा की थी कि बाघ–आबादी वाले देश वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी को लगभग दोगुना करने का प्रयास करेंगे। पिछले कुछ वर्षो में बाघों और उनके निवास के आसपास रहने वाले लोगों के बीच टकराव की संख्या में वृद्धि हुई है। इसको रोकने के लिए गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। बाघ संरक्षण के लिए हमारे समक्ष कई चुनौतियां हैं। कुछ लोग बाघों का शिकार पैसे कमाने के उद्देश्य से करते हैं। विश्व भर में बाघों के प्राकृतिक निवास स्थान का लगभग तिरानवे प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है। इन निवास स्थानों को ज्यादातर मानव गतिविधियों द्वारा नष्ट किया गया है क्योंकि वनों और घास के मैदानों को कृषि जरूरतों के लिए उपयोग किया जा रहा है। बाघों के प्राकृतिक निवास और शिकार स्थान छोटे होने के कारण कई बार बाघ, पालतू पशुओं को अपना शिकार बना लेते हैं और लोग अक्सर जवाबी कार्रवाई करते हुए बाघों को मार देते हैं। बाघों के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 1973 में सरकार ने बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया। केंद्र प्रायोजित श्प्रोजेक्ट टाइगरश्य योजना वर्ष 1973 में शुरू की गई, जिसका उद्देश्य देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों को आश्रय प्रदान करना है। जब प्रोजेक्ट टाइगर शुरू हुआ, तो हमारे पास नौ बाघ अभयारण्य थे। आज हमारे पास 53 बाघ अभयारण्य हैं। उत्तर प्रदेश का रानीपुर 53वां बाघ अभयारण्य बनाया गया है। वर्ष 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 पूरे हो गए हैं। वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत श्राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरणश्य नामक एक वैधानिक निकाय की स्थापना की गई, जो वर्ष 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम,1972 के प्रावधानों में संशोधन करके की गई थी। विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार, बीसवीं सदी की शुरुआत से ही अवैध शिकार जैसी गतिविधियों में बाघों की पंद्रह प्रतिशत आबादी विलुप्त हो गई थी। देश में प्रत्येक चार वर्ष में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा पूरे भारत में विभिन्न राज्यों के वन विभागों और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ साझेदारी में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2018 में 2967 बाघों के साथ ही भारत ने बाघों की संख्या को दोगुना करने के लक्ष्य को चार वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया। भारत दुनिया के 70 फीसद से अधिक बाघों का घर है। एम–स्ट्रिप (मोनिटिरंग सिस्टम फॉर टाइगर्स इंटेसिव–प्रोटेक्शन एंड इकोलॉजिकल स्टेटस) एप्लिकेशन का उपयोग करके पांचवें चक्र की बाघों की गिनती वर्ष 2022 में की गई थी। वर्ष 2022 में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। वर्ष 2016 में भारत और बांग्लादेश ने साझा प्रयास से एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया था कि सुंदरबन में बढ़ते समुद्री स्तर के कारण 96 फीसद जमीन के डूबने का खतरा बना हुआ है। समुद्री जलस्तर बढने से बाघ आबादी वाले इलाकों की तरफ कूच करेंगे, जिससे मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। कई टाइगर रिजवरे में अवैध शिकार रोधी अभियानों के लिए विशेष बाघ सरंक्षण बल तैनात किए गए हैं। ई–वॅड परियोजना के तहत बाघों के संरक्षण हेतु उनकी रखवाली और निगरानी की जा रही है। इस कार्य के लिए मानव रहित हवाई वाहनों जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। हमें बाघों को विलुप्त होने से बचाना होगा। हमारा प्राथमिक लक्ष्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैंकि प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के मुद्दों के लिए जन जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। जहां संभव हो, स्थानीय समुदाय–आधारित संगठनों के साथ भागीदारी को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि संघर्ष की स्थितियों को कम करने के साथ संरक्षण योजना और प्रयासों में भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाया जा सके।

इसलिए ममता के लिए परीक्षा की घड़ी है कि वे चुनाव को बांग्ला अस्मिता पर ले जा पाती हैं या नहीं। इसी तरह विपक्ष को हर राज्य में अलग अलग मुद्दे पर चुनाव को ले जाना होगा। बिहार में आरक्षण, सामाजिक न्याय और मंडल की राजनीति है तो महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के हिंदुत्व की राजनीति के साथ शरद पवार की मराठा राजनीति का समायोजन है। उधर झारखंड में समावेशी राजनीति करते ...

विपक्ष के दिग्गजों की परीक्षा

अजीत द्विवेदी

भाजपा के गठबंधन एनडीए और विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश्य की एक ही दिन हुई बैठक की तस्वीरों की तुलना में एक दिलचस्प राजनीतिक नैरेटिव दिखता है। दिल्ली में हुई एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवाने वाले नेताओं में से 90 फीसदी नेता ऐसे थे, जिनको अपने क्षेत्र या अधिक से अधिक अपने राज्य से बाहर कोई नहीं जानता है। एनडीए की बैठक में ज्यादातर छोटी पार्टियां थीं। और ज्यादातर नेताओं की कोई राष्ट्रीय या राज्यस्तरीय पहचान भी नहीं है। तभी दिल्ली के अशोक होटल की तस्वीर ऐसी थी, जिसमें नरेंद्र मोदी की हैसियत सूर्य वाली थी और बाकी सारे छोटे–मोटे ग्रह थे, जो उनकी परिक्रमा कर रहे थे। हालांकि इसका भी अगले साल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बहुत फायदा है।

इसके उलट विपक्ष की बैठक में अधिकतर चेहरे ऐसे थे, जिनकी राष्ट्रीय पहचान है या अपने राज्य के सबसे बड़े नेताओं में आते हैं। वहां न कोई सूर्य था और न परिक्रमा करने वाले ग्रह थे। सबकी स्वतंत्र हैसियत थी और सब बराबरी में बैठे थे। उनकी अपनी ताकत है, जिसके दम पर वे राजनीति करते हैं लेकिन भाजपा के गठबंधन में शामिल ज्यादातर पार्टियों और नेताओं के पास अपनी ताकत नहीं है। वे नरेंद्र मोदी के लिए पूरक की तरह काम करेंगे। तभी सवाल है कि ये पूरक पार्टियां अगले चुनाव में भाजपा की कितनी मदद कर पाएंगी? दूसरी ओर यह सवाल है कि विपक्ष के तमाम दिग्गज मिल कर क्या नरेंद्र मोदी को रोक पाएंगे? विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश्य की बैठक में शामिल नेताओं के चेहरे पर एक नजर डालें तो दिखेगा कि लगभग सभी नेता लंबे राजनीतिक अनुभव वाले हैं। उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत किया और कई महत्वपूर्ण राजनीतिक लड़ाइयां जीती हैं। बैठक की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खडगे कर रहे थे, जिनका राजनीतिक अनुभव पांच दशक से ज्यादा का है। वे कर्नाटक की राजनीति के सबसे बड़े चेहरों में हैं। एनसीपी नेता शरद पवार निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे बड़े नेता हैं। इसी तरह एमके स्टालिन तमिलनाडु की राजनीति की सबसे बड़े और लोकप्रिय नेता हैं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों बैठक में मौजूद थे, जिनके ईर्द–गिर्द बिहार की राजनीति पिछले करीब साढ़े तीन दशक से घूम रही है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय नेता हैं तो हेमंत सोरेन भी झारखंड के सबसे बड़े नेताओं में शुमार होते हैं। अखिलेश यादव भी देश के सबसे बड़े राज्य के पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं और राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं। कम्युनिस्ट पार्टियों की राजनीतिक हैसियत बहुत बड़ी नहीं रह गई है फिर भी सीताराम येचुरी और डी राजा दोनों की राष्ट्रीय पहचान है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पटना की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं लेकिन वे बेंगलुरू की बैठक में शामिल हुईं। वे बैठक की अध्यक्षता नहीं कर रही थीं लेकिन उनके होने का असर पूरी बैठक पर दिख रहा था। उनके नाम से यह रिकॉर्ड है कि उन्होंने राष्ट्रीय चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी दोनों को हराया है। उनकी कमान में 2004 में कांग्रेस ने भाजपा को तब हराया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और देश मान रहा था कि उनका कोई विकल्प नहीं है। इसके बाद 2009 में जब लालकृष्ण आडवाणी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर लड़े तब सोनिया गांधी की कमान में कांग्रेस ने उनको भी हराया। सो, सोनिया गांधी का अनुभव और यह उपलब्धि उनको विपक्षी गठबंधन का केंद्र बनवाने वाली है। तभी कांग्रेस के नेता चाहते हैं कि सोनिया गांधी को श्इंडियाश्य का संयोजक बनाया जाए। विपक्ष की दूसरी बैठक में आठ नई पार्टियों को न्योता दिया गया था, जो अपेक्षाकृत छोटी पार्टियां हैं। लेकिन इनका राज्य की बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के साथ पहले से गठबंधन है। सो, भले एनडीए की बैठक के बाद यह मैसेज बना हो कि 38 पार्टियों का गठबंधन श्इंडियाश्य से लड़ेगा लेकिन हकीकत यह है कि लड़ाई नरेंद्र मोदी से ही है। एक तरफ नरेंद्र मोदी होंगे, जिनकी ताकत, लोकप्रियता, संसाधन और करिश्मे के दम पर एनडीए की सारी पार्टियां लड़ेंगी तो दूसरी ओर एक नया बना गठबंधन श्इंडियाश्य होगा, जिसकी एक विशाल छाते के नीचे सभी पार्टियां अपनी अपनी लडाई लड़ेंगी। विपक्षी गठबंधन में कोई एक नेता ऐसा नहीं होगा, जिसके नाम से समूचे गठबंधन को फायदा होगा। सब एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे होंगे लेकिन सबकी अपनी अपनी लड़ाई भी होगी। तभी सवाल है कि अपनी अपनी लड़ाइयों में क्या ये नेता कामयाब होंगे और सब अपने अपने इलाके में मोदी को रोक पाएंगे? यह तब हो सकता है, जब श्इंडियाश्य के नेता राष्ट्रीय चुनाव को क्षेत्रीय बना दें। इस लिहाज से यह विपक्ष के तमाम दिग्गज नेताओं की परीक्षा वाला चुनाव है। ज्यादातर दिग्गज नेताओं का यह आखिरी चुनाव भी होगा। यह तय मानना चाहिए कि सोनिया गांधी, शरद पवार, मल्लिकार्जुन खडगे, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद आदि नेता 2029 के लोकसभा चुनाव में कोई प्लेयर नहीं होंगे। एमके स्टालिन 75 साल से ज्यादा उम्र के होंगे और ममता बनर्जी भी 75 साल की होने वाली होंगी। उम्र के साथ साथ इनकी राजनीति भी ढलान पर होगी। सो, इन सभी दिग्गज नेताओं के लिए 2024 का चुनाव आखिरी मौका है कि वे अपनी ताकत दिखाएं। इस चुनाव में इन नेताओं की कामयाबी इस पर निर्भर करेगी कि वे अपने असर वाले राज्य में चुनाव को क्या मोड़ देते हैं। अगर राष्ट्रीय चुनाव होता है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और मजबूत राष्ट्रीय नेतृत्व या विश्वगुरू का नैरेटिव बनता है तो विपक्ष के जीतने की संभावना कम हो जाएगी। लेकिन अगर चुनाव राज्यवार या सीटवार हो जाता है तो नरेंद्र मोदी का एडवांटेज कम हो जाएगा। मिसाल के तौर पर अगर तमिलनाडु में चुनाव तमिल अस्मिता का हो जाता है और राष्ट्रीय मुद्दों की बजाय राज्यपाल आरएन रवि द्वारा किए गए काम मुद्दा बनते हैं तो विपक्ष को फायदा होगा। पश्चिम बंगाल में इस स्थिति से बचने के लिए ही केंद्र सरकार ने सीवी आनंदा बोस को राज्यपाल बनाया है। वे भले तमिलनाडु के हैं लेकिन बंगाली हैं इसलिए उनके किसी कामकाज के विरोध में तृणमूल कांग्रेस बांग्ला अस्मिता का मुद्दा वैसे नहीं बना सकती है, जैसे 2021 के विधानसभा चुनाव के समय बनाया था। उस समय राज्यपाल जगदीप धनखड़ थे और भाजपा नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चेहरे पर चुनाव लड़ रही थी। लेकिन तब मोदी और शाह को बंगाल का नेता नहीं बनना था। इस बार मोदी को प्रधानमंत्री बनना है। इसलिए ममता के लिए परीक्षा की घड़ी है कि वे चुनाव को बांग्ला अस्मिता पर ले जा पाती हैं या नहीं। इसी तरह विपक्ष को हर राज्य में अलग अलग मुद्दे पर चुनाव को ले जाना होगा। बिहार में आरक्षण, सामाजिक न्याय और मंडल की राजनीति है तो महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के हिंदुत्व की राजनीति के साथ शरद पवार की मराठा राजनीति का समायोजन है। उधर झारखंड में समावेशी राजनीति करते हुए भी आदिवासी को केंद्र में रखना है। सो, हर राज्य के लिए लड़ाई का अलग स्वरूप होगा और इसी में विपक्ष के दिग्गजों की असली परीक्षा होगी।

विश्व कप 2023: बदल गई IndiavsPak के मैच की तारीख, अब इस दिन होगा दोनों टीमों के बीच महामुकाबला

भारत की मेजबानी में होने वाले विश्व कप का इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इसका शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर से होना है। वहीं भारत की टीम विश्व कप में अपना पहला मुकाबला आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने उतरेगी।

विश्व कप के दौरान देश और दुनिया के क्रिकेट फैंस सबसे अधिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर उत्साहित है। गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ये मुकाबला होना था। मगर इस मुकाबले को लेकर अब नया मोड़ आ गया है। आईसीसी ने इस मैच की तारिख में बदलाव कर दिया है। इस मैच की तारीख को खास कारण से बदला गया है।

नवरात्रि के कारण हुआ बदलावः जानकारी मिली है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब 15 अक्टूबर को नहीं खेला जाएगा।

बल्कि इसकी तारीख में बदलाव कर दिया गया है। संभावना है कि विश्व कप के शेड्यूल में कुछ अन्य बदलाव भी किए जा सकते है, जिसके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। इस बदलानों का ऐलान 31 जुलाई को होने की संभावना है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब 15 अक्टूबर की जगह 14 अक्टूबर को यानी एक दिन पहले खेला जाएगा। ये बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि 15 अक्टूबर से नवरात्रि की शुरुआत होगी और इस दिन पहला नवरात्र मनाया जाएगा।

जय शाह का आया था बयान

इस मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी बड़ा बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि इस वर्ष भारत की मेजबानी में होने वाले विश्व कप की तारीखों में कुछ बदलाव संभव है। शेड्यूल को लेकर होने वाले बदलावों के संबंध में जानकारी आने वाले दिनों में सामने आ सकती है। जय शाह ने बताया था कि इस संबंध में 2–3 सदस्य बोर्ड ने विश्व कप के शेड्यूल में बदलाव करने की अपील की है। ये सिर्फ भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर ही नहीं है। बता दें कि 15 अक्टूबर से भारत में नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है। इस दिन देशभर में पहला नवरात्र होगा। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाला है। गुजरात में नवरात्रि और गरबा का खास क्रेज देखने को मिलता है। ऐसे में नवरात्रि को देखकर सुरक्षा एजेंसियों ने बीसीसीआई को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच की तारिख बदलने की हिदायत दी थी। गौरतलब है कि विश्व कप के आयोजन के दौरान ही दशहरा और दीवाली जैसे प्रमुख त्योहार भी आएंगे। ऐसे में बीसीसीआई को इस दौरान मुकाबले आयोजित करने में परेशानी हो सकती है।

पाकिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट के पीछे इस्लामिक स्टेट का हाथ : पुलिस

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की पुलिस ने सोमवार को प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि एक कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी के राजनीतिक सम्मेलन में हुए आत्मघाती विस्फोट के पीछे प्रतिबंधित आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) का हाथ है। इस विस्फोट में कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह विस्फोट अफगानिस्तान से लगती है। 'जियो न्यूज' ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा, "हम अभी बाजौर विस्फोट की जांच कर रहे हैं और उसके बारे में सूचना जुटा रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसके पीछे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट का हाथ है।" पुलिस ने बताया कि 38 शवों को उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया है जबकि आठ अज्ञात शव अब भी अस्पताल में हैं। पुलिस के मुताबिक, वह आत्मघाती हमलावर के बारे में जानकारी जुटा रही है, जबकि बम निरोधक दस्ता घटनास्थल से सबूत एकत्रित कर रहा है।

जिला पुलिस अधिकारी नजीर खान ने बताया कि इस संबंध में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

प्रांतीय पुलिस प्रमुख अख्तर हयात खान के अनुसार, विस्फोट को अंजाम देने के लिए 10 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि हमलावर राजनीतिक सम्मेलन में शामिल लोगों में से एक था और वह पहली पंक्ति में बैठा हुआ था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, हमलावर ने सम्मेलन के मंच के पास खुद को विस्फोटक से उड़ा लिया। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट जेयूआई–एफ नेता मौलाना अब्दुल रशीद के मंच पर पहुंचने के तुरंत बाद हुआ।

टी20 में चला Nicolas Puran का बल्ला, 13 छक्कों और 10 चौकों की मदद से खेली शतकीय पारी, MI Newyork को जिताया खिताब

मेजर लीग क्रिकेट का उद्घाटन संस्करण रविवार को हुआ, जिसमें मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क ने डलास में सिएटल ऑर्कास के खिलाफ ऐतिहासिक खिताब जीता। निकोलस पूरन के आक्रामक शतक की मदद से मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क ने टैक्सास के डलास में सिएटल ओर्कास को सात विकेट से मात दी है। इसी के साथ मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई है। इसी के साथ मुंबई इंडियंस ने एक और ट्रॉफी अपनी झोली में डाल ली है।

ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम पर रविवार को खेले गए फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिएटल ओर्कास ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 183 रन बनाए। ओर्कास ने क्विंटन

डी कॉक के 87 रनों की मदद से 184 रनों का लक्ष्य मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क को दिया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क ने 16 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर ट्रॉफी पर भी कब्जा किया। मुंबई की जीत के हीरो रहे कप्तान निकोलस पूरन, जिन्होंने 55 गेंद में 137 रन बनाये जिसमें 10 चौके और 13 छक्के शामिल थे। उन्होंने फाइनल मैच में धमाकेदार पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम को आसानी से जीत मिली।

मैच का सबसे यादगार पल एमआई के 16वें ओवर के दौरान आया जब वेस्टइंडीज के विकेटकीपर ने हरमीत सिंह को 24 रन पर आउट कर दिया। उस ओवर में एक चौका और छक्कों की शानदार हैट्रिक शामिल थी। बता दें कि एमआई कप्तान 388 रन के साथ एमएलसी 2023 में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उनकी 137' रन की पारी टूर्नामेंट में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी था। वहीं सिएटल टीम के लिये क्विंटोन डिकॉक ने 52 गेंद में 87 रन की पारी खेली। मुंबई के लिये तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और स्पिनर राशिद खान ने तीन तीन विकेट चटकाये। मुंबई टीम ने एलिमिनेटर में वॉशिंगटन फ्रीडम को और चौलेंजर में टैक्सास सुपर किंग्स को हराया था। आईपीएल की मुंबई इंडियंस के अलावा मुंबई टीम तीन महाद्वीपों, चार देशों और पांच अलग अलग लीग में खेलती है। मुंबई इंडियंस की जीत पर टीम की मालिक नीता अंबानी ने कहा ,'' मेजर क्रिकेट लीग इस क्षेत्र में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुंबई इंडियंस संयुक्त अरब अमीरात से अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका तक पहुंच गई है और मुझे गर्व है कि हमारे पास एक महिला टीम भी है।

यूनिवर्सिटी खेलों में भारतीय तीरंदाजों और निशानेबाजों ने छह पदक और जीते

नयी दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों और तीरंदाजों ने चीन के चेंगडू में हो रहे यूनिवर्सिटी खेलों में सोमवार को छह पदक और जीते। निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और दिव्यांश , अर्जुन बाबूता ने दस मीटर एयर राइफल पुरूष टीम

वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दोनों ने 1894 . 7 का स्कोर किया जबकि चीन के शिनमियाओ, सोंग बुहार और झू शियाओझोंग ने 1881 . 9 अंक के साथ रजत पदक जीता। कजाख्स्तान तीसरे स्थान पर रहा। पुरूषों के व्यक्तिगत वर्ग में ऐश्वर्य ने 252. 6 अंक के साथ पीला तमगा जीता जबकि दिव्यांश को रजत पदक मिला।

चीन के बुहान तीसरे स्थान पर रहे। कंपाउंड तीरंदाजी में भारत को दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक मिला। अवनीत कौर ने अमेरिका की एलिसा ग्रेस स्टरगिल को हराकर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरूषों के व्यक्तिगत वर्ग में संग्रामप्रीत बिस्ला को स्वर्ण और अमन सैनी को कांस्य पदक मिला। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य समेत 17 पदक लेकर तालिका में जापान के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन 21 पदक लेकर शीर्ष पर है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम भट्टाचार्य की हालत स्थिर, दवाओं का होने लगा असर

कोलकाता। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं हालांकि उनकी हालत स्थिर हैं और उन पर दवाओं का असर हो रहा है। उनयासी वर्षीय भट्टाचार्य का इलाज कर रहे डॉ. आशीष पात्रा ने सोमवार को बताया कि उन पर दवाओं का असर हो रहा है तथा उन्हें होश आ गया है। डा. पात्रा ने कहा कि हमने आज सुबह कुछ नियमित रक्त परीक्षण और उनकी छाती का सीटी स्कैन किया है। रिपोर्ट के परिणाम मिलने के बाद करीब 12.30 बजे हमारी मेडिकल बोर्ड की बैठक होगी। पूर्व माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य भट्टाचार्य को लगातार बुखार के बाद निचले श्वसन पथ के संक्रमण की शिकायत पर शनिवार दोपहर वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी देखभाल के लिए मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में नौ सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। चिकित्सकों की टीम में शामिल डॉ. कौशिक चक्रवर्ती (चिकित्सा), डॉ. सौतिक पांडा (क्रिटिकल केयर), डॉ. सुस्मिता देबनाथ (क्रिटिकल केयर), डॉ. सरोज मंडल (इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी), डॉ. अंकन बंदोपाध्याय (आंतरिक चिकित्सा और पल्मोनोलॉजी), डॉ. ध्रुबा भट्टाचार्य , आंतरिक चिकित्सा और क्रिटिकल केयर), डॉ. असीस पात्रा (एनेस्थिसियोलॉजी), डॉ. सोमनाथ मैती, और डॉ. सप्तर्षि बसु (चिकित्सक और चिकित्सा अधीक्षक, वुडलैंड्स) उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं।

शहबाज शरीफ ने किया साफ, पीएमएल–एन के सत्ता में लौटने पर भाई नवाज ही होंगे देश के अगले प्रधानमंत्री

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ शहबाज शरीफ ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में वित्त मंत्री इशाक डार की नियुक्ति की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि आगामी आम चुनावों को पारदर्शी बनाने के लिए अगले महीने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए एक तटस्थ व्यक्ति का चयन किया जाएगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) पार्टी के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने संकेत दिया कि 2019 से लंदन में स्व–निर्वासित निर्वासन में रह रहे तीन बार के

अगले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी चुनाव जीतती है तो 73 वर्षीय पीएमएल–एन सुप्रीमो प्रधानमंत्री होंगे। उन्होंने जियो न्यूज को बताया कि नेशनल असेंबली (एनए) के विघटन की अधिसूचना संसद के निचले सदन का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एनए 12 अगस्त की रात 12 बजे अपना कार्यकाल पूरा कर लेगा।

उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों, पीएमएल–एन के सर्वोच्च नेता नवाज शरीफ और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ परामर्श के बाद कार्यवाहक व्यवस्था पर सहमति होगी। शहबाज ने अपने गठबंधन सहयोगियों से सहमति जताते हुए कहा कि इस पद पर एक तटस्थ व्यक्ति को नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि कोई भी चुनाव के नतीजों पर सवाल न उठा सके। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र में एक बहुत ही कुशल अंतरिम सरकार होगी।

उन्होंने कहा कि पीएमएल–एन सहयोगी दलों के साथ सीटों का समायोजन करने की कोशिश करेगी, साथ ही कहा कि पार्टी उन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी जहां वे आम सहमति तक नहीं पहुंच पाएंगे। कार्यवाहक ढांचे को नीतिगत निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने वाला एक विधेयक हाल ही में संसद द्वारा पारित किया गया था। शहबाज ने यह भी कहा कि पीएमएल–एन सुप्रीमो नवाज शरीफ को पाकिस्तान लौटने पर कानून का सामना करना पड़ेगा।

फाइनल में लौरा सीजमंड को हराकर शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने जीता खिताब

वारसॉ। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने पोलैंड ओपन के फाइनल में लौरा सीजमंड को 6 . 0, 6 . 1 से हराकर इस साल

का अपना चौथा खिताब जीत लिया। फ्रेंच ओपन चौम्पियन स्वियातेक ने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। वह इस साल दोहा और स्टटगार्ट में भी खिताब जीत चुकी है। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने कहा ," मैं अपनी टीम और परिवार को धन्यवाद देना चाहती हूं। यहां खेलना आसान नहीं था लेकिन मुझे खुशी है कि मैं जीत सकी।" उन्होंने सेमीफाइनल में बेल्जियम की यानिना विकमायेर को 6 . 1, 7 . 6 से मात दी थी। खराब रोशनी के कारण शनिवार को बीच में रोके जाने के बाद यह मैच रविवार को ही पूरा हुआ।

ऑस्ट्रेलियाई समुद्र तट पर मिली रहस्यमयी वस्तु भारतीय रॉकेट का हिस्सा, स्पेस एजेंसी ने किया बड़ा खुलासा

भारत का चंद्रयान तेजी से चांद की ओर बढ़ रहा है। वहीं इससे जुड़ा एक बड़ा दावा किया गया कि चंद्रयान–3 का मलबा ऑस्ट्रेलिया में जाकर गिर गया। हालांकि ऑस्ट्रेलियन एजेंसी ने अब इसको लेकर बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी ने साफ कर दिया कि समुंदर किनारे मिला बड़ा टुकड़ा चंद्रयान 3 का नहीं है। ये पीएसएलवी का मलबा है जिसे इसरो की तरफ से लॉन्च किया गया था। स्थानीय लोगों को विशाल चीज से दूर रहने के लिए कहा गया था।

बता दें कि भारत के चंद्रयान 3 लॉन्च किए जाने के दो दिनों दिनों बाद ही ऑस्ट्रेलिया में समुद्र तट पर एक अजीब सा पुर्जा मिला था। धातु का ये पुर्जा 2 मीटर लंबा और इस पर तार लटक रहे थे। उस वक्त ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने भी इसको लेकर एक ट्विट किया। ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने इस रहस्मयी चीज की तस्वीर को पोस्ट करते हुए कहा है कि हम इस रहस्मयी चीज की जांच कर रहे हैं। कुछ दिनों बाद, ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी ने पुष्टि की है कि यह संभवतः ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के तीसरे चरण का मलबा है।

चंद्रयान–3 के लॉन्च होने के एक दिन बाद पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में ज्यूरियन खाड़ी के पास एक समुद्र तट पर रहस्यमयी वस्तु की खोज की गई, जिसके बाद अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह लॉन्च व्हीकल मार्क–III का एक बीता हुआ चरण है। हालाँकि, यह पुष्टि हो गई है कि मलबा पुराने पीएसएलवी प्रक्षेपण का था।

उत्तर कोरियाई के तानाशाह की नई सनक, सरकारी दफ्तर में लगवाई व्लादिमीर पुतिन की बड़ी–बड़ी तस्वीरें, जानें वजह

उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया द्वारा साझा की गई तस्वीरों से पता चला है कि सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने एक आधिकारिक भवन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बड़े चित्र लगाए हैं। ये तस्वीरें रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के साथ किम जोंग उन की तस्वीरों में देखी जा सकती हैं, जिन्होंने पिछले हफ्ते कोरियाई युद्ध की समाप्ति की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए प्योंगयांग का दौरा किया था। इसे उत्तर कोरिया में विजय दिवस के रूप में जाना जाता है। भले ही व्लादिमीर पुतिन सर्गेई शोइगू के साथ प्योंगयांग नहीं गए थे, लेकिन उन्होंने किम को एक पत्र भेजा था जिसे कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने प्रकाशित किया था। पत्र में रूसी नेता ने यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बीच रूस के लिए उत्तर कोरियाई सरकार के समर्थन की सराहना की और ष्प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर रूस के साथ देश की एकजुटता हमारे सामान्य हितों को उजागर करती है। सर्गेई शोइगु के प्योंगयांग आगमन से पहले, रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि उनकी यात्रा का उद्देश्य रूसी–उत्तर कोरियाई सैन्य संबंधों को मजबूत करना था। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि यात्रा के दौरान, किम जोंग उन ने मंत्री को परमाणु–सक्षम मिसाइलें दिखाईं जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत प्रतिबंधित हैं, साथ ही एक नया ड्रोन भी दिखाया।

बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर फुंकने से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

देवरिया। बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। जिले के दो जगहों पर लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। शहर के सीसी रोड पर मुहल्लेवासियों ने सड़क जाम कर ट्रांसफॉर्मर बदलवाने की मांग की। जबकि बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने सलेमपुर में जाम कर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे अफसरों ने आश्वासन दिया तो लोगों का गुस्सा शांत हुआ। शहर के उमागनगर और सीसी रोड से जुड़े मोहल्लों की बिजली सुबह पांच बजे गुल हो गई। दोपहर बाद तक जब बिजली नहीं आई तो लोगों ने जानकारी ली तो पता चला कि ट्रांसफार्मर जल गया है। इस पर लोगों ने बिजली निगम के अफसरों को ट्रांसफार्मर बदलने के लिए फोन किया। शाम पांच बजे तक न बदले जाने से नाराज लोग कांवेंट स्कूल के पास सड़क जाम कर दिए। बिजली निगम व जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जाम के कारण आधा किमी तक वाहनों की कतार लग गई। उपभोक्ता करीब दो घंटे तक सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते रहे। नायब तहसीलदार धर्मवीर ने उपभोक्ताओं को मनाने की कोशिश की, लेकिन वह ट्रांसफार्मर बदले जाने तक वहां से हटने को तैयार नहीं हो रहे थे। थक-हारकर उन्होंने जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह को फोन किया। जिलाधिकारी ने बिजली निगम के एक्सईएन से बात की। दो घंटे में ट्रांसफार्मर बदलवाने के आश्वासन पर उपभोक्ताओं ने सड़क खाली किया। रामलीला मैदान बिजली उपकेंद्र से सीसी रोड व उमानगर मोहल्ले में करीब एक हजार उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जाती है। कांवेंट स्कूल के पास लगा 400 केवी का ट्रांसफार्मर सुबह पांच बजे के करीब फुंक गया। शाम को पांच बजे तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण उपभोक्ता सड़क पर उतर आए। करीब डेढ़ बजे सप्लाई शुरू होने पर मरीज व कर्मियों ने राहत की सांस ली।

पीआईसीयू में एक घंटे गायब रही बिजली, परेशान रहे मरीजः देवरिया। मेडिकल कॉलेज के पीआईसीयू व एचडीयू में बिजली दोपहर बाद करीब साढ़े बारह बजे गुल हो गई। इससे अंधेरा छा गया। यहां भर्ती करीब 35 बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। इसके कारण तीमारदार परेशान रहे। कुछ तीमारदार बच्चों को लेकर बाहर निकल गए तब जाकर वह शांत हुए।

देसही-कसया के बीच जंफर जलने से दो दिन से गुल है भगवानपुर चौबे फीडर की बिजली

देवरिया। रामपुर कारखाना, रुस्तमपुर, पांडेयचक में दो दिन से विद्युत आपूर्ति न रहने से पांच लाख की आबादी परेशान है। देसही-देवरिया और कसया के बीच मुंडेरा में जंफर जल जाने से . रात भर बिजली गुल रही। दिन में मोहर्रम का जुलूस और रात को फाल्ट के चलते आपूर्ति बाधित रही। अधिकतर घरों में पानी भी खत्म हो गया है। गर्मी में आए दिन कसया और देसही के बीच फाल्ट और तार टूटने से उपभोक्ता परेशान हो गए गए हैं। भगवानपुर चौबे विद्युत सब स्टेशन से जुड़े रामपुर कारखाना नगर पंचायत, रुस्तमपुर और पांडेय चक फीडर की विद्युत सप्लाई अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई है। देसही और कसया के बीच फाल्ट से उपभोक्ताओं के साथ कर्मचारी भी आजिज आ गए हैं। मोहर्रम जुलूस के चलते दोपहर से बिजली आपूर्ति बंद की गई थी। देर शाम आपूर्ति बहाल हुई, लेकिन देसही देवरिया के मुंडेरा में जंफर जल जाने से देर रात आपूर्ति ठप हो गई। रात को ठप हुई बिजली दिन में 9:30 बजे बहाल हुई। लोगों के इंवर्टर तक डिस्चार्ज हो गए। मोबाइल चार्ज करने के लिए लोगों को जनरेटर चलने वाली दुकानों पर जाना पड़ा। रामपुर कारखाना और रुस्तमपुर फीडर से जुड़े उपभोक्ता पुरवा फीडर से फिर से विद्युत जोड़ने की मांग कर रहे हैं। अवर अभियंता इरफान उल्लाह अंसारी ने बताया कि फाल्ट ठीक करने के लिए कर्मचारी काम कर रहे हैं, जल्द ही विद्युत बहाल हो जाएगी।

मुआवजे के लिए किसानों ने बनाई रणनीति, डेढ़ माह तक विभिन्न गांवों में होगी जनसभा

देवरिया। देवरिया-गोरखपुर मार्ग के सिरजम के पास से निकलने वाले 22 किमी बाईपास के लिए निकल रही किसानों की भूमि को लेकर मुआवजा संघर्ष समिति ने बैठक की। इसमें किसानों ने छह अगस्त से 14 सितंबर तक विभिन्न गांवों में जनसभा कर किसानों को जागरूक करने का फैसला किया। किसानों की मांग है कि बाजार मूल्य पर उन्हें मुआवजा िभूमि बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में बाईपास एनएच-727ए के निर्माण से प्रभावित किसान जनता का समर्थन पाने के लिए अलग-अलग तिथियों में सभा करने के लिए विक्रम पब्लिक इंटर कॉलेज महुआनी चौराहे पर बैठक की। बैठक में रणनीति बनाई गई कि 6 अगस्त को गौरा चौराहे पर शाम चार से 6 बजे तक, 13 अगस्त को महुआनी चौराहा पर जनसभा, 20 अगस्त को शंभू चौराहा, देवरिया मीर, 27 अगस्त 2023 को धनौती चौराहा, 3 सितंबर को बैतालपुर ब्लॉक के सामने, 10 सितंबर को परसिया माल चौराहे पर जनसभा होगी। इसके बाद 14 सितंबर की शाम चार से छह बजे तक मुड़ेरा बुजुर्ग अहिलवार तिराहा पर जनसभा होगी। संघर्ष समिति के संयोजक अजीत कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सरकार से किसानों ने आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। प्रशासन सर्किल रेट पर मूल्य पर भुगतान की बात कर रहा है, जबकि किसान बाजार मूल्य पर भुगतान की मांग कर रहे हैं। प्रशासन को 20 जुलाई तक का समय दिया गया था जो बीत चुका है। अब आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस दौरान सुरेंद्र शात्री, कृष्णकांत तिवारी, हंसनाथ यादव, विशुन देव यादव, प्रभाकार मणि, दूधनाथ मणि, चंदन मिश्रा, डा. अजय चौरसिया, सुग्रीव मिश्र, राजेश मिश्र और वीरेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

फसलों की उत्पादकता व किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दे कृषि विभागरु औलख

महराजगंज। जिले में फसलों की उत्पादकता, सिंचाई व्यवस्था और किसानों की आय बढ़ाने पर कृषि विभाग के अधिकारी जोर दें। वर्षा की स्थिति को देखते हुए नहरों में पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। सभी ट्यूबवेलों को भी क्रियाशील रखा जाए, जिससे कि किसानों को समय से सिंचाई के लिए बेहतर ढंग से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके। ट्यूबवेलों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति की जाए। यह निर्देश कृषि एवं कृषि शिक्षा राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने चौक फार्म का निरीक्षण करने के दौरान दिया। उन्होंने खेतों के किनारे पापुलर के वृक्ष लगाने और आम व अमरूद जैसे फलदार वृक्षों की बागवानी के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। सूखे की आशंका को देखते हुए राजस्व विभाग के साथ मिलकर फसलों के सर्वे का कार्य ससमय पूर्ण कर उसकी आख्या शासन को भेजने का निर्देश कृषि से जुड़े अधिकारियों को दिया। कृषि वैज्ञानिकों को किसानों को उन्नतशील बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। फार्म के प्रभारी फलाहारी बाबा से फार्म पर बोई जाने वाली फसलों और उनकी उत्पादकता के साथ वर्तमान में फसल की स्थिति की जानकारी ली। फलाहारी बाबा ने बताया कि वर्तमान में तो फसल अच्छी है, लेकिन अगर जल्द बारिश नहीं होती है तो सूखे की स्थिति हो सकती है। इस दौरान दौरान उप निदेशक कृषि रामशिष्ट, जिला कृषि अधिकारी वीरेंद्र कुमार, कृषि वैज्ञानिक व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिकअप पर लदे 40 सिलिंडर चोरी करने का आरोप

महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के जगन्नाथपुर में सड़क किनारे पिकअप पर लदे 40 भरे सिलिंडर चोरी होने की शिकायत गैस एजेंसी के प्रबंधक ने पुलिस से की। गैस एजेंसी सोनौली के प्रबंध विश्वंभर दयाल जायसवाल ने बताया कि तीन लोगों ने सिलिंडर चोरी किया है। उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए तहरीर दी गई है। कोतवाल सोनौली अभिषेक सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल किया महिला का अश्लील वीडियो

महराजगंज। कुशीनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला को श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक युवक ने अपने प्रेम जाल में फांस लिया और उसके साथ शारिरीक संबंध बनाता रहा। इस दौरान उसने मोबाइल से महिला का अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद उसने उधार के तौर पर महिला से 46 हजार रुपये ले लिए। कुछ महीने बाद युवक ने फिर पैसों की मांग की। महिला ने पैसा देने से मना किया तो युवक ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़ित महिला ने श्यामदेउरवां थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जमीन के पेच में फंसा 81 पंचायत भवनों का निर्माण, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

देवरिया। जमीन विवाद के पेच में 81 ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके चलते छह लाख से अधिक की आबादी कागजी कार्यों के लिए ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर काटने को विवश है। जन्म, मृत्यु, आय, जाति, निवास, खसरा, खतौनी आदि सुविधाएं ग्राम सचिवालय के बिना सुलभ नहीं हो पा रही हैं। वर्ष 2020-21 में पंचायत भवन विहीन 697 ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई। प्रत्येक पंचायत भवन के लिए 10.70 लाख की धनराशि निर्धारित की गई। पंचायत भवनों का निर्माण छह माह में पूरा कराया जाना था। निर्माण शुरू कराने के दौरान 81 ग्राम पंचायतों में जमीन का पेंच फंस गया। 55 ग्राम पंचायतों में भवन बनाने के लिए जमीन नहीं मिल पाई है। 26 जगहों पर भूमि विवाद है। दो साल बीतने के बाद अभी तक जिला प्रशासन जमीन का पेंच सुलझा नहीं पाया है। जबकि इसके लिए जिला पंचायत राज अधिकारी की ओर से कई बार मुख्य राजस्व अधिकारी को पत्र भी भेजा जा चुका है। यहां नहीं मिली जमीनः बैतालपुर ब्लॉक के परसा जोकहा, महुअवा, छतरभुजपुर, नरैनापुर, विशुनपुरा, सेखौना, बरारी, जमुना, भागलपुर ब्लाक के गोहरिया, बेलवा, भटनी के बनकटा तिवारी, भटनी खास, चकौर फकीर, लक्ष्मीपुर, माथा दानापुर, पिपरा देवराज, डुमरी, दुल्लह छपरा, पिपरा बिहुल, भाटपाररानी के बेलपार पंडित, देवरिया सदर के पड़री मल्ल, परसिया, धमउर परशुराम, करौंदी, देसही देवरिया के बुद्धू खां, पौहारी छापर, गौरीबाजार के बेलवा पांडेय, सौना परशुराम, खैरटिया, तेंदुबारी, लार के माधोपुर, मझवलिया, करमुआ, डुमरी, चौमुखा, विरनी, सहियागढ, पड़री गजराज, बौरडीह, नेमा, महाल मंझरिया, पथरदेवा के सकतुआ बुजूर्ग, बसडीला, बिंदवलिया, रामपुर शुक्ल, रामपुर कारखाना के भगवतीपुर, रुद्रपुर के रतनपुर, भेड़ी, सलेमपुर ब्लाक के मनिहारी, लोहरा बभनौली, हरखुवा में जमीन नहीं मिलने के चलते पंचायत भवन का निर्माण शुरू नहीं हो पा रहा है। यहां जमीन विवाद के कारण रुका है निर्माणः बैतालपुर ब्लाक के अरईपुर, इजरही, भागलपुर के कटियारी, पिपरा भुल्ली, बकुची, छितुपुर, बरहौना हरदो, भटनी के बेहराडाबर, सिसवा, गौरीबाजार के गौरी बुजूर्ग, देवतहा, अवधापुर,पथरदेवा के कंठीपट्टी, देवरिया सदर के गंभीरपुर, रामपुर कारखाना के परसा बरवा, मदरापाली खास, नोनिया छापर, रुद्रपुर के बौरडीह, कुरैती, सलेमपुर के धनपुरवा, मलहनी, चोरडीह, बनकटा के परगसहा, किशोरी छापर, विशुनपुरा में जमीन विवाद के कारण निर्माण रुका हुआ है। पंचायत भवन से ये मिलनी हैं सुविधाएंः पंचायत भवनों को प्रदेश सरकार ने ग्राम सचिवालय नाम दिया है। यहां निवास प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र सहित भू-अभिलेख सहित ई-डिस्ट्रिक पोर्टल और जन सेवा केंद्र से मिलने वाली सभी सेवाएं स्थानीय लोगों को दी जानी हैं। साथ ही ग्राम सचिवालय का इस्तेमाल ग्राम प्रधान, लेखपाल, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक और पंचायत सहायक आदि के दफ्तर के रूप में किया जाना है।

नेपाल में भूस्खलन, सांसत में पर्यटक, रास्ता खुलने का इंतजार

महराजगंज। पडोसी देश नेपाल में रुक रुक कर हो रही बारिश की वजह से हर रोज भूस्खलन हो रहा है। इसकी वजह से काठमांडो से आने और आने वाले यात्रियों को मुश्किलें झेलनी पड़ रहीं हैं। पोखरा काठमांड़ों राजमार्ग, निर्माणाधीन सिद्धबाबा सुरंग में भूस्खलन के बाद सिद्धार्थ हाईवे अवरुद्ध हो गया। फंसे यात्री रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। मलबा हटने पर कुछ यात्रियों को किसी तरह से भेजा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, नेपाल में पिछले तीन दिनों से रुक रुक कर बारिश के कारण भूस्खलन से सोनौली से पोखरा और काठमांडू मार्ग पर आवागमन बंद हो गया है। मौके पर पहुंची पुलिस राहत बचाव में जुट गई है। बारिश से चितवन की इच्छाकमाना ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर छह के पास भारी भूस्खलन से आवगमन पूरी ठप है। पोखरा जाने वाले मार्ग सिद्धबाबा मंदिर के निकट सड़कें अवरुद्ध होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। रास्ते में भारतीय एवं नेपाली यात्रियों के अलावा काफी संख्या में वाहन फंस गए हैं। नारायणगढ़-मुंगलिग रोड खंड में भूस्खलन के कारण काठमांड़ो घाटी से देश के विभिन्न हिस्सों में इस सड़क खंड के माध्यम से लंबी और छोटी दूरी के वाहनों का संचालन रोक दिया गया है। चितवन के नारायणगढ़-मुगलिन मार्ग खंड में भूस्खलन के कारण . सुबह से यातायात पूरी तरह से बाधित है। सचिन पांडेय निवासी भैरहवा ने बताया कि उनका परिवार सुबह पांच बजे से फंसा हुआ है। पीने के लिए पानी नहीं है। सुबह में सौ रुपये नेपाली मुद्रा में एक बोतल मिला था। अब वह भी नहीं मिल पा रहा है। विष्णु पोखरेल, संजीव, कृष्णा थापा आदि ने बताया कि गाड़िया फंसी हुई हैं। आगे भूस्खलन से रास्ता बंद है। पीछे वाहनों की लंबी कतार लगी है। जिला पुलिस कार्यालय, चितवन के प्रवक्ता पुलिस उपाधीक्षक, बिजय राज पंडित ने बताया कि बार-बार भूस्खलन के कारण मार्ग पर यातायात अक्सर बाधित रहता है। भूस्खलन को साफ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों को सुविधा मुहैया कराई जा रही जा रही है।

केवाईसी के चक्कर मे लटकी 1.33 लाख किसानों की सम्मान निधि

महराजगंज। जिले में 3 लाख 51 हजार किसानों को किसान सम्मान निधि के चौदहवीं किस्त का लाभ दिया गया है। लेकिन, ई-केवाईसी के अपडेट न होने व अन्य कमियों की वजह से अभी एक लाख 33 हजार किसानों को निधि के लाभ से वंचित रहना पड़ा है। विभागीय अधिकारियों को कहना है कि ई-केवाईसी व अन्य कमियों को दूर कराने के लिए किसानों को बार-बार कहा गया मगर किसानों की ओर से इसमें कोई विशेष रूचि नहीं दिखाई गई। वहीं किसानों का कहना है सुधार के लिए कागज देने के बाद भी अब तक उन्हें योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो सका है। जिले में किसान सम्मान निधि के प्रथम किस्त का लाभ कुल चार लाख 84 हजार 678 किसानों को मिला था। इसमें सदर तहसील के 2,10,871 किसान, नौतनवां तहसील के 87,307, निचलौल तहसील के 96,561 किसान व फरेंदा तहसील के 89,939 किसान हैं। प्रारंभिक किस्तों की तुलना में अब लाभार्थियों की संख्या में निरंतर कमी आ रही है। कारण कि अभिलेखों में समस्या के कारण वे लाभ से वंचित हो रहे हैं। किसी का ई-केवाईसी नहीं हुआ है तो किसी का नाम व खाता संख्या आदि में गड़बड़ी की स्थिति है। कृषि विभाग का कहना है कि कमियों को दूर कराने के लिए बार-बार किसानों से अपील भी की गई, मगर उसका बहुत लाभ दिखा नहीं। अब जबकि चौदहवीं किस्त की धनराशि भेजी गई है तो एक बार फिर कृषि कार्यालय पर किसानों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। वे मांगे गए अभिलेख को दे रहे हैं, फिर भी उनकी समस्या दूर नहीं हो रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर 14 हजार रुपये की ठगी

महराजगंज। सिसवा बाजार कस्बे के पोखरा टोला निवासी अब्दुल वाहिद अंसारी से प्रधानमंत्री आवास योजना के पहली किस्त जारी कराने के नाम पर साइबर ठग ने लाभार्थी से 14 हजार रुपये के ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने कोठीभार पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित अब्दुल वाहिद अंसारी ने बताया कि 27 जुलाई की शाम मोबाइल पर फोन आया। फोनकर्ता ने कहा कि आवास आफिस से बोल रहा हूं। आपके आवास योजना की फाइल स्वीकृति हो गई है। पहली किस्त की राशि भेजनी है। फाइल के लिए 3600 रुपये गूगल पे तत्काल भेज दें। सही मानकर अपने एक परिचित से गूगल-पे नंबर पर रुपये भेज दिए। इसके बाद अन्य कागजात बनवाने के नाम पर 10 हजार पांच सौ रुपये की मांग की गई, वह भी भेज दी। जब फोनकर्ता ने बीमा के नाम पर बीस हजार रुपये मांगे, तब जा कर ठगी का एहसास हुआ। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार राय ने बताया कि पीड़त को महराजगंज साइबर सेल मे तहरीर देने के लिए भेजा गया है।

नौकरी के नाम पर चार लाख की ठगी, केस दर्ज

महराजगंज। भिटौली थाना क्षेत्र के जड़ार निवासी भगवंत प्रसाद ने अपने ही गांव के बेचन पटेल पर बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख रुपये ठगी करने का आरोप लगाया है। भगवंत प्रसाद ने बताया कि कि करीब 6 वर्ष पहले गांव के बेचन पटेल को बैंक में नौकरी के नाम पर अलग-अलग किस्तों में चार लाख सत्रह रुपये दिए, लेकिन आज तक न तो नौकरी लगी और न ही आरोपी ने पैसे लौटाए। पैसे लौटाने की बात कहने पर धमकी दे रहे हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि इन लोगों का एक रैकेट है जो भोले-भाले लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठ लेते हैं। थानाध्यक्ष श्यामसुंदर तिवारी ने बताया कि आरोपी बेचन पटेल के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

01किलो 150 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त व एक चोरी की मोबाइल फोन के साथ एक अन्य अभियुक्त सहित दो गिरफ्तार

कुशीनगर । जनपद में जनपद कुशीनगर में अवैध मादक/द्रव्य पदार्थों की तस्करी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना सेवरही पुलिस द्वारा चेंकिग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान दमकल्ला पुल के पास से अभियुक्त आजाद पुत्र मजीद साकिन वार्ड नबर-08 राजेन्द्र नगर कस्बा तमकुहीरोड थाना सेवरही जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक प्लास्टिक के झोले मे कुल 1.150 कि.ग्रा.अवैध गांजा (कुल कीमत लगभग 23,000/रुपये) बरामद किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 311/2023 धारा **8/20 NDPS ACT** में अभियोग पंजीकृत किया गया तथा मु0अ0सं0 312/2023 धारा 380,411 भा0द0वि0 से संबंधित अभियुक्त सागर चौहान पुत्र लक्ष्मण चौहान साकिन तिवारी पट्टी टोला शिवपट्टी थाना सेवरही जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गये मोबाइल **Realme c33** रंग-आसमानी बरामद किया गया।बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कार्यालय : नगर पंचायत शोहरतगढ़

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़, जनपद-सिद्धार्थनगर में पंचम राज्य वित्त योजनार्न्तगत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु ठेकेदारो से आनलाइन ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी www.etender.up.nic.in पर या किसी भी कार्य दिवस पर उपस्थित होकर प्राप्त की जा में प्राप्त किया जा सकती है।

A-	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन /अपलोड की तिथि	01.08.2023
B-	वेबसाइट से आनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	01.08.2023 अपराह्न 02.00 बजे से
C-	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	11.08.2023 अपराह्न 05.00 बजे
D-	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	12.08.2023 अपराह्न 2.00 बजे
E-	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	12.08.2023 शाम 4.00 बजे
F-	ई-निविदा खोलने का स्थान	आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़

(नवीन कुमार सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत शोहरतगढ़
सिद्धार्थनगर

(उमा अग्रवाल)
अध्यक्ष
नगर पंचायत शोहरतगढ़
सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 432(iii)/आ0 न0 पं0शो 0/2023-24/31.07.2023

मानव तस्करी के खिलाफ एकजुट होने का किया आह्वान

.विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम व रैली का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मानवता व सभ्य समाज के लिए एक कलंक के रूप में मानव तस्करी की समस्या आज समूचे विश्व की समस्या है। मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 30 जुलाई को विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर मुख्यालय स्थित ष्प. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्यति बालिका विद्यालय ,उरमौरा में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया और रैली निकाल आमजनमानस को मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराध के विषय में शिक्षित किया गया। कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे ष्एक्सेस टू जस्टिसष् के दूसरे चरण के सहयोगी ग्राम स्वराज्य समिति सोनभद्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस की मानव तस्करी रोधी इकाई , जिला बाल संरक्षण इकाई, ने छात्राओं को मानव तस्करी क्या होती है ,इससे बचने के उपाय व इससे जुड़े कानूनी बिंदुओं की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं व अध्यापिकाओं ने इस विषय से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं भरे प्रश्न भी वक्ताओं से पूछे व उनका समाधान प्राप्त किया। इस गोष्ठी के पश्चात विद्यालय की छात्राऐं मानव तस्करी विरोधी नारे लिखी तख्तियां लेकर सड़को पर निकाली और लोगो कों सन्देश दिया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी शुभ्रांशु शेखर शर्मा ने बताया इस दिवस को

मनाने का उद्देश्य है कि महिलाओं और बच्चों को जबरन श्रम एवं वेश्यावृत्ति से बचाया जा सके। ग्राम स्वराज्य समिति के सचिव महेशानंद भाई ने बताया कि यह दिवस मानव तस्करी के कारण होने वाले नुकसान तथा आम लोगों के जीवन पर इसके गंभीर प्रभाव को समझने का अवसर प्रदान करता है। विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव तस्करी के मुद्दे से निपटने के साधन के रूप में वर्ष 2013 में नामित किया गया था एवं इस दिवस के माध्यम से मानव तस्करी से पीड़ित लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में भी मदद करता है। वर्ष 2003 से इन लोगों को बंदी बनाने वाले गिरोह से बचाने और उनकी पहचान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है वर्ष 2021 से इस दिवस की मूल भावना मानव तस्करी से पीड़ित लोगों को अनुभवों को साझा करने उनसे सीखने के महत्व पर प्रकाश डालती है। मानव तस्करी रोधी इकाई के प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव ने बताया कि मानव तस्करी जबरदस्ती के जरिए लोगों को फंसाने और वित्तीय व्यक्तिगत लाभ के लिए उनका शोषण करने की प्रक्रिया है। मानव तस्करी में लड़कियों को यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है इसके साथ ही व्यक्तियों को जोखिम भरे कारखानों में काम करने व महिलाओं को निजी घरों में काम करने के लिए भर्ती किया जाता है। ओआरडब्ल्यू शेषमणि दुबे ने बताया कि भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित अपने जनपद में यह एक आम समस्या है। मानव तस्करी से उत्पन्न यौन शोषण को रोकने के लिये गृह मंत्रालय भारत सरकार ने कई उपाय किए हैं।

हर कोई अब टोकेगा मानव तस्करी रोकेगा के नारे के साथ छात्रों का आह्वान किया कि अब वे अपने गांव और आसपास मानव तस्करी को रोकने का कार्य करेंगी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कल्पना सिन्हा, हेमालता मिश्रा, नूरु सबा, कुसुम यादव, वंदना सिंह, किरण, धनंजय कुमार, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक ,मुख्य आरक्षी धनंजय यादव, अमन द्विवेदी वन स्टॉप सेन्टर से दीपिका सिंग, ग्राम स्वराज्य समिति के अश्विनी सिंह आदि उपस्थित रहे।

नौ सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। आगामी 9 सितंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद–न्यायालय गोण्डा एवं समस्त तहसील स्तर पर किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के सचिव नितिन श्रीवास्तव ने बताया कि इस लोक अदालत में धन वसूली, मोटर वाहन दुर्घटना, वैवाहिक, श्रम, झगड़े, राजस्व, पानी बिल, सर्विस मेटर, वन अधिनियम जैसे सभी लेवल के पेंडिंग केसों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा समस्त वादकारियों से अपील है 9 सितम्बर को सम्बन्धित न्यायालय/ट्रिब्यूनल में पंहुचकर राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वादों का निस्तारण कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग करें।

इन मामलों का होगा निस्तारण

विद्युत अधिनियम के अन्तर्गत सुलह योग्य वाद, पब्लिक प्रिमिसेज एक्ट सम्बन्धी मामले उत्तराधिकार सम्बन्धी मामले, आयुध अधिनियम के उपयुक्त प्रकरण, बीमा सम्बन्धी वाद, स्थानीय विधियों के अन्तर्गत शमनीय वाद, सेवा/वेतन संबंधी वाद, सेवानिवृत्ति परिलाभों से सम्बन्धित प्रकरण, किरायेदारी वाद, वन अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण, पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान, मोटरयान अधिनियम के अन्तर्गत चालान, ई–चालान, उत्तर प्रदेश एवं वाणिज्य अधिनियम के अन्तर्गत चालान, चलचित्र अधिनियम के अन्तर्गत, आबकारी अधिनियम सम्बन्धी वाद, गैम्बलिंग एक्ट के अन्तर्गत चालान, नगर पालिका के अन्तर्गत चालान विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत चालान मेड़बन्दी एवं दाखिल खारिज वाद, मोबाइल फोन एवं केबल नेटवर्क सम्बन्धी प्रकरण, प्री–लिटिगेशन प्रकरण, मनरेगा प्रकरण, शिक्षा का अधिकार सम्बन्धी प्रकरण, राशन कार्ड/बी0पी0एल0कार्ड/जाति एवं आय प्रमाण पत्र से सम्बन्धित प्रकरण, एवं अन्य प्रकार के वादों/प्रकरणों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर तथा अर्थदण्ड अधिरोपित करके किया जायेगा।

कन्या समंगला योजना के तहत पात्र लाभार्थी करें ऑनलाइन आवेदन

कुशीनगर। जिला प्रोवेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि कि महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का संचालन किया जा रहा है,जिसका मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रुण हत्या को समाप्त करना,समान लैंगिक अनुपात स्थापित करना,बाल विवाह की कुप्रथा को रोकना,बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को प्रोत्साहन देना,बालिकाओं को स्वावलंबी बनाने में सहायता प्रदान करना,बालिका के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना है जिला प्रोवेशन अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत समस्त पात्र लाभार्थी अपना आवेदन पत्र आन–लाईन कराने हेतु जनदीकी जन सेवा केन्द्र (कामन सर्विस सेन्टर), साइबर कैफे, निजी इन्टरनेट केन्द्र अथवा विभागीय बेवसाइट **https://mksy-up-gov-in** पर जाये या कम्प्यूटर या मोबाइल के माध्यम से आन लाईन करायें। इस योजनान्तर्गत प्रथम श्रेणी में बालिका के जन्म होने पर रू0 2000.00 एक मुश्त, द्वितीय श्रेणी में बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरान्त रू0 1000.00 एक मुश्त, तृतीय श्रेणी में बालिका के प्रथम कक्षा में प्रवेश के उपरान्त रू० 2000.00 एक मुश्त, चतुर्थ श्रेणी में बालिका के कक्षा छः में प्रवेश लेने के उपरान्त 2000.00 एक मुश्त, पंचम श्रेणी में बालिका के कक्षा 09 वीं में प्रेवश के उपरान्त रू0 3000.00 एक मुश्त तथा पष्ठम श्रेणी में ऐसी बालिकायें जिन्होने कक्षा 10वीं /12 वीं उत्तीर्ण कर स्नातक डिग्री या कम से कम दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लिया हो रू0 5000.00 एक मुश्त दिये जाने का प्राविधान है उन्होंने समस्त पात्र लाभार्थी गण से अपना आवेदन पत्र आन–लाईन कराने की अपेक्षा की है।अधिक जानकारी के लिए जिला प्रोवेशन अधिकारी कार्यालय कक्ष सं0 37 कलेक्ट्रेट, रविन्द्रनगर धूस, पडरौना, कुशीनगर से संपर्क करें।

शिव शक्ति महिला मंडल ने 27 वें दिन किया रुद्राभिषेक

15 वर्षो से चल रहे अखंड हरि कीर्तन व भक्तिगीत सुनकर लोग झूम उठे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा लगातार 27वें दिन रुद्राभिषेक किया गया। श्रवण मास भर 59 दिन तक यह कार्यक्रम चलेगा। इस दौरान समूचा शिव मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। उधर 15 वर्षो से चल रहे अखंड हरिकीर्तन एवं भक्ति गीत सुनकर लोग झूम उठे। शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला पाठक, अनुराधा त्रिपाठी, अनुपमा चौबे, अनुभव पाठक, आराध्या मिश्रा, साध्वी विमला देवी , ममता पांडेय, प्रीति पांडेय, रेवती तिवारी, रामा देवी, डाक्टर विजय, उर्मिला देवी, सविता देवी, कालो देवी, हीरा, सुखराम, रामप्यारे आदि ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधे .ष्ण तिवारी ने रुद्राभिषेक का पूजन कराया। भिखारी बाबा ने बताया कि 15 वर्षों से लगातार 24 घंटे हरिकीर्तन चल रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पत्रकार राजेश कुमार पाठक ने भी हरिकीर्तन गाया। इसके अलावा अनुराधा त्रिपाठी ने भक्ति गीत गाया जिसे हरमोनियम, ढोल, झांझ की संगत पर सुनकर मौके पर मौजूद लोग झूम उठे। तमाम भक्तों ने पूजन अर्चन किया और जड़ी बूटियों से बनी हवन सामग्री से आहुति दी गई। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

नही थम रहा जंगलों में अवैध कटान का सिलसिला

विभागीय अधिकारियों के शह पर हो रहा सरकारी पेड़ों का अवैध कटान, या लकड़ी माफ़ियाओं पर अंकुश लगाने में विफल हैं जिम्मेदार अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। जहां एक तरफ सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिवर्ष करोड़ो पौधों को लगवाने का लक्ष्य रखकर वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण करवाती है। तो वहीं विभाग में बैठे भ्रष्ट अधिकारी अपनी जेब भरने के लिए दिनों रात जंगली पेड़ों का अवैध कटान करवाते रहते हैं। जब अवैध कटान की शिकायत हो जाती है तो अपनी .त्य को छिपाने के लिये नाम मात्र की लकड़ियों को दिखाकर कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपाते हैं। सूत्रों से मिले जानकारी के मुताबिक बाकी पेड़ों की कटान के शिकायत को रफादफा कर देते हैं। और मोटी रकम लेकर चोरी चुपके शेष लकड़ियों को वन माफ़ियायों को सौप देते हैं।इतना ही नही वन विभाग द्वारा सरकार को बड़े पैमाने पर चूना लगाया जाता है। वृक्षारोपण, गढ्ढा खोदाई, पौधों की ढुलान सहित कई प्रकार से घोटाला करते हैं। अगर इसकी जांच सही ढंग से हो जाये तो वन रेंज के सारे अधिकारी व कर्मचारी की घोटाले में संलिप्तता सामने आएगा। वहीं जब अवैध कटान की शिकायत मिलने पर इस बाबत में वन रेंज अधिकारी से जानकारी करने के लिये फोन से संपर्क किया जाता है तो मोबाइल फोन ही रहता है करता है।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

प्रधान व सचिव द्वारा इंटरलाकिंग निर्माण कार्य में भारी धांधली

कुशीनगर । जनपद के विकास खण्ड क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों में मानकों एवं नियमों को दर किनार कर बड़े पैमाने पर कार्य कराते जा रहे हैं जिससे सरकारी धन का खुलेआम बंदरबांट किया जा रहा है। राज्य बित्त एवं मनरेगा योजना से हो रहे कार्यों में ब्यापक पैमाने पर धांधली कर सरकारी धन का बंदरबांट करने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार कुशीनगर जनपद के दुदही विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत –पृथ्बीपुर में इंटरलाकिंग निर्माण कार्य में दोयम इंट व इंट की गिट्टी मानक के अनुरूप नहीं घ्डाले जाने एवं मिट्टी बालू का प्रयोग करने के साथ गिट्टी की कुटाई नहीं किए जाने व मौके पर कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं होने के कारण इंटरलाकिंग निर्माण कार्यों में भारी पैमाने पर धांधली की गई है। दिनांक २५जुलाई २०२३ को प्रतिनिधि द्वारा गांवों का भ्रमण कर विकास कार्यों की छानबीन करने पर संज्ञान में आया कि ग्राम पंचायत–पृथ्बीपुर में स्थित सरकारी हास्पिटल से पूरब प्राथमिक विद्यालय पृथ्वीपुर में जाने वाली इंटरलाकिंग सड़क की दयनीय स्थिति है। उक्त सड़क निर्माण कार्य में मानकों की धज्जियां उड़ाते हुए घटिया इंटरलाकिंग इंट सड़क निर्माण कार्य कराया गया है। अभीध हाल ही में निर्माण कार्य हुए भी नहीं हुए कि सारा सड़क टूटकर ध्वस्त होने तथा धंसने लगा है। यही नहीं पृथ्वीपुर प्राथमिक विद्यालय की तरफ से दक्षिण जाने वाली सड़क भी टूटकर ध्वस्त हो गई है। ग्रामीणों का राह चलना दुश्वार हो गया है। बताया जाता है कि दुदही विकास खंड क्षेत्र के ही पृथ्वी पुर गांव में छानबीन के दौरान प्रधान व सचिव द्वारा जो भी स्ट्रीट लाइट लगाया गया है वह आधे–अध्ूरा व ब्रांडेड के नाम पर लोकल स्ट्रीट लाइट लगाया गया है,जो आधे–अधूरे खघ्राब हो गया है। किसी भी जिम्मेदार का ध्यान इस गड़बड़ी के तरफ नहीं जा रहा हैं क्यों ? इसमें कौन सी राज है ! जरूर गड़बड़ झाला है। मौके पर गांव के तकनिकी सहायकों घ पर घर बैठे ही एम०बी० करने का आरोप लगाया गया है। कमीशन के चक्कर में ब्लाक के अधिकारी और कर्मचारी सरकारी धन का बंदरबांट कर धन का दुरूपयोग करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यही नहीं पृथ्वीपुर मुसहर टोली से पश्चिम जाने वाली सड़क खड़ंजा जो डमूर की तरफ जा रही सड़क जगह–जगह टूटकर ध्वस्त हो गया है। लोगों का रास्ता चलना दुश्वार हो गया है।ऐसी स्थिति में खतरे की सम्भावना बनी हुई है। फिर भी किसी जिम्मेदार का ध्यान इस खतरे की तरफ क्यों न जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

24 घंटे बाद भी आरोपियों की नहीं हुई गिरतारी बजरंग दल नें सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोमवार को बजरंग दल–विश्व हिन्दू पारिषद के

नेतृत्व में शहर के व्यापार मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों संघ पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को ज्ञापन सौंपा,और अपराधियों पर त्वरित कार्यवाई करने की माग किया। विगत दिनांक 28 जुलाई 2023 को सोनभद्र नगर स्थिति माता रानी सती मंदिर के समीप गोवंश की हत्या कर हिंदू जन भावनाओं को आहत करने का कु.त्य किया गया है, जिससे हिन्दू जनमानस में काफ़ी रोष व्याप्त है। घटना के पाश्चात्य प्रशासन द्वारा अपराधियों को गिरतार करने के लिए 24 घंटे का वक्त मंगा गया था लेकिन अभी तक को कार्यवाही नहीं होने पर हिन्दू जनमानस आन्दोलन के लिए वाद्य हो सकता है। जिसको गंभीरता से लेते हुए जिले में व्यापार मंडल ने बजरंग दल विश्व हिन्दू पारिषद के नेतृत्व में प्रशासन को कठोर चेताने हेतु पुलिस अधीक्षक से शीघ्र कार्यवाही करने के लिए आग्रह किया अन्यथा की स्थिति में बाजार बंद कर आन्दोलन की चेतावनी दी। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे सत्य प्रताप सिंह प्रान्तीय संयोजक बजरंग दल, नगर अध्यक्ष नागेन्द्र राय, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता , वरिष्ट व्यापारी प्रतिनिधि .ष्ण मुरारी गुप्ता, जिला महामंत्री व्यापार मंडल रमेश जायसवाल, संयम गुप्ता सहित प्रतिनिधिमंडल मिला।

बुद्ध का संदेश

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक

स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक

राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

आई फ्लू क्या है? जानिए मानसून में इससे बचाव के 5 तरीके

देश में मानसून में आई फ्लू यानी कंजंक्टिवाइटिस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसे गुलाबी आंख या लाल आंख के रूप में भी जाना जाता है।ऐसे में आंख से जुड़ी इस समस्या से बचाव के लिए लोगों को लगातार सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है।आइये आज हेल्थ टिप्स में हम आपको 5 ऐसे तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से आई फ्लू के संक्रमण से बचा जा सकता है।

बारिश के मौसम में अधिक होती है यह समस्या

आई फ्लू आंखों का संक्रमण है, जिसके कारण आंखों में लालिमा, दर्द और सूजन जैसी परेशानियां होती हैं। यह समस्या बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा फैलती है और यह आमतौर पर गंदगी, धूल–मिट्टी आदि की वजह से होने वाली एलर्जी के कारण होती है।

व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें

आई फ्लू से बचाव के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना है।इसके लिए नियमित रूप से अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छे से धोएं, खासकर सार्वजनिक वस्तुओं को छूने के बाद, भोजन के समय और शौचालय के इस्तेमाल के बाद।अपने पास हैंड सैनिटाइजर हमेशा साथ में रखें और दूषित सतहों या रेलिंग वगैरह को छूने के तुरंत बाद इसका इस्तेमाल करें।ऐसा करने से आप इसके संक्रमण से बच सकते हैं।

आस–पास साफ–सफाई रखना है जरूरीः किसी भी तरह के संक्रमण से सुरक्षित रहने के लिए साफ–सफाई के टिप्स अपनाना बहुत जरूरी है।अगर आपके आस–पास गंदगी और धूल रहेगी तो इससे आंखों की जलन बढ़ सकती है और आई फ्लू होने की आशंका भी बढ़ जाती है।इससे बचाव के लिए खासतौर पर बारिश के मौसम में नियमित रूप से अपने आस–पास की सतहों और चीजों को एंटी–बैक्टीरियल सॉल्यूशन से अच्छे से साफ करें।

व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करने से बचें

आई फ्लू दूषित व्यक्तिगत वस्तुओं जैसे तौलिया, रूमाल, आंखों के मेकअप और कॉन्टैक्ट लेंस से आसानी से फैल सकता है।मानसून के मौसम में इन वस्तुओं को दूसरों के साथ साझा करने से बचें। कोशिश करें कि आप इन वस्तुओं को अपने परिवार के सदस्यों के साथ भी साझा न करें क्योंकि इससे आई फ्लू का संक्रमण फैल सकता है।इसके अलावा अगर कोई सदस्य बीमार हो गया है तो उसका सामान अलग कर दें और उससे दूरी बनाकर रखें।

सेफ्टी चश्मे का इस्तेमाल करेंः मानसून के दौरान भीड़–भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, लेकिन किसी कारणवश अगर आपको बाहर जाना पड़ रहा है तो इस दौरान आंखों की सुरक्षा के लिए सेफ्टी चश्मे का इस्तेमाल करें।इसके लिए आप बाहर निकलने से पहले काला चश्मा, सनग्लास या अन्य सेफ्टी चश्मा पहनें।इसकी मदद से आपकी आंखें वायुजनित कणों, धूल–मिट्टी और बैक्टीरिया से बची रहेंगी, जिससे संक्रमण होने का खतरा कम हो जाएगा।

आंखों को छूने या रगडने से बचें

ज्यादातर लोग आंखों में चुभन होने, जलन होने या धूल चले जाने पर तुरंत आंख रगडने लगते हैं। ऐसा करने से आंखों को नुकसान होता है और इससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है।अगर आपको अपना चेहरे धोना है या आंखें साफ करनी है तो हमेशा साफ और फिल्टर्ड पानी का इस्तेमाल करें। साथ ही आंखों को छूने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके हाथ अच्छे से साफ हो।

बिखरी जुलफों में करिश्मा तन्ना ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट, फिटनेस पर दिल हार गए फैंस

वेब सीरीज स्कूप में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। हालिया

फोटोशूट में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद सेक्सी अवतार में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस और फिटनेस देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। करिश्मा तन्ना आए दिन अपनी खूबसूरती को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट में हुस्न की बेबाक अदाएं दिखाते हुए फैंस को अपनी ओर रिझा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी परफेक्ट टोंड बॉडी देखते हुए फैंस का दिल मचलने लगा है। हालांकि लोग उनकी तस्वीरों को देखकर एक बार फिर से उनकी फिटनेस पर अपना दिल हार गए हैं। करिश्मा तन्ना ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की स्पैगडी और डेनिम जींस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए बिखरी जुल्फों को लहराती हुई एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया लवर हैं। और जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी सहित सभी फिल्मों को मिला वीकेंड का फायदा

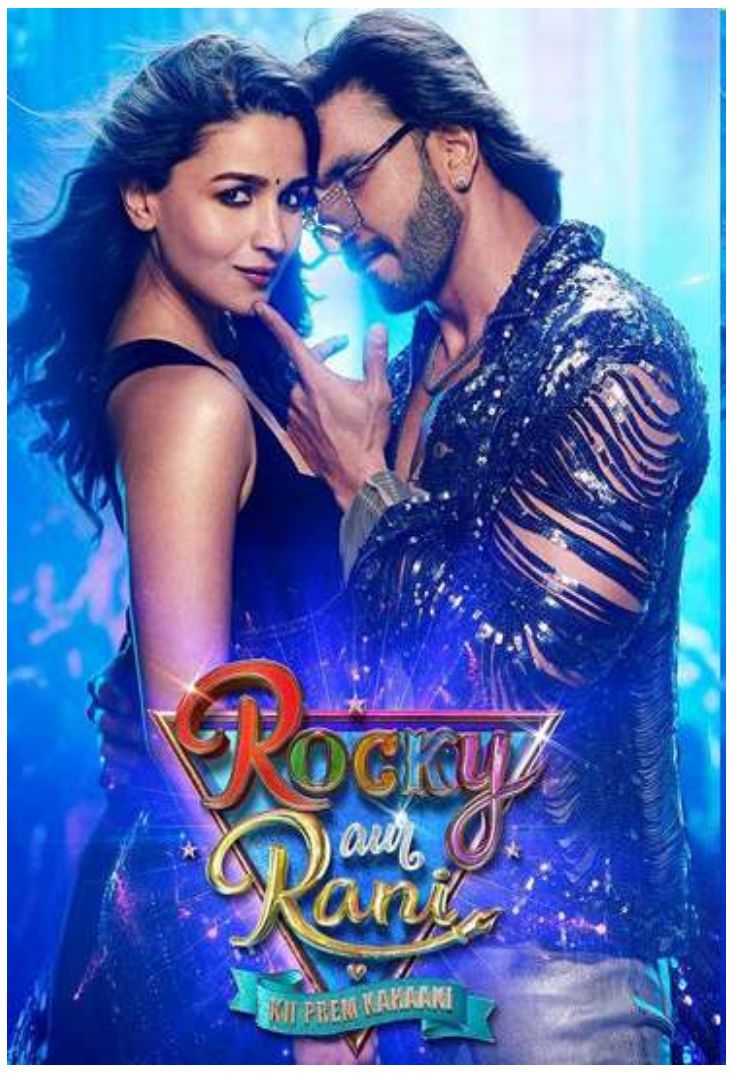

सिनेमाघरों में इस हफ्ते करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने दस्तक दी थी।फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी नजर आई है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं।पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करने के बाद अब दूसरे दिन भी फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया है, वहीं बाकी सभी फिल्मों की कमाई में भी वीकेंड पर उछाल देखने को मिला है।आइए जानते हैं किस फिल्म ने कितनी कमाई की है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ करण ने 7 साल बाद बतौर निर्देशक वापसी की है और अब उनका कमबैक सफल होता नजर आ रहा है।पहले दिन फिल्म ने 11.10 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की तो अब दूसरे दिन इसे वीकेंड का फायदा मिला है।सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने शनिवार को 16 करोड़ रुपये कमाए हैं और अब इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 27.10 करोड़ रुपये हो गया है। 2023 में आई हिंदी फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन में करण की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 11.10 करोड़ के साथ 5वीं सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले चार स्थानों पर सबसे पहले 57 करोड़ रुपये के साथ शाहरुख खान की पठान, 37 करोड़ रुपये के साथ आदिपुरुष, 15.73 करोड़ रुपये के साथ तू झूठी मैं मक्कार और आखिर में 13.5 करोड़ रुपये के साथ किसी का भाई किसी की जान है। जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर की बायोपिक ओपेनहाइमर रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।फिल्म में क्रिस्टोफर नोलन को पसंद किया जा रहा है तो इसके एक सीन पर आपत्ति जताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने शुक्रवार को 4.35 करोड़ कमाए थे तो 9वें दिन इसकी कमाई 7.25 करोड़ रुपये रही है।ऐसे में फिल्म का अब तक का कलेक्शन 84.80 करोड़ रुपये हो गया है। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज की फिल्म इम्पॉसिबल– डेड रेकनिंग पार्ट वन की रिलीज का तीसरा हफ्ता चल रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने शुक्रवार को 85 लाख रुपये का कलेक्शन किया था तो शनिवार को इसकी कमाई में इजाफा हुआ और इसने 1.60 करोड़ रुपये कमाए हैं।ऐसे में अब इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 100.80 करोड़ रुपये हो गया है।

गन्स एंड गुलाब में नए अवतार में नजर आए राजकुमार राव

फिल्म निर्माता जोड़ी राज एंड डीके की साल की बहुप्रतीक्षित

सीरीज गन्स एंड गुलाब का नया वीडियो शुक्रवार को जारी किया गया, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि यह एक गैंगस्टर कॉमेडी है, जो 1970 के दशक के रोमांटिक पागल प्रेमियों और सनकी गैंगस्टरों के गानों से भरपूर है। सीरीज गन्स एंड गुलाब एक विचित्र शैली मिश्रण है जिसमें राजकुमार राव, दुलकर सलमान, आदर्श गौरव, टीजे भानु और गुलशन देवैया प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वीडियो की शुरुआत रेट्रो संगीत से होती है, जिसमें गुलाब की पृष्ठभूमि के साथ कोल्ड–ड्रिंक की टूटी हुई बोतल दिखाई देती है। राजकुमार की एक झलक में उन्हें एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें एक अनोखा हेयर स्टाइल और हाथ में बंदूक है। वहां एक पत्थर चिन्ह है जिस पर गुलाबगंज 6 किमी लिखा है। मोशन पोस्टर की तरह डिजाइन किए गए इस वीडियो में धातु के उपकरण, कांच की वस्तुएं, इत्र, कार्ड का एक पैकेट, एक पुराना कैसेट, एक प्रेम पत्र, चाकू, एक बुलेट बाइक दिखाई दे रही है। वहां एक साइनबोर्ड भी है जिस पर वायु ऑटो वर्क्स लिखा हुआ है। 1970 के दशक के हेयर स्टाइल और कपड़ों के साथ गुलशन की एक झलक मिलती है। दुलकर को एक सख्त और डराने वाले व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। पहली हत्या से लेकर पहले चुंबन तक, गुलाबगंज में कुछ भी हो सकता है। ट्रेलर 2 अगस्त को लॉन्च किया जाएगा। इसमें श्रेया धनवंतरी और पूजा ए गोर भी हैं। गन्स एंड गुलाब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। यह सीरीज 18 अगस्त को रिलीज होने वाली है। राज और डीके को उनके काम के लिए जाना जाता है, उन?होंने थ्रिलर सीरीज द फैमिली मैन और फर्जी बनाई हैं।

क्या आपको भी फोन कॉल उठाने में होती है झिझक? कहीं आप फोन एंग्जाइटी के शिकार तो नहीं

आज के दौर में जहां कम्युनिकेशन तकनीक तेजी से विकसित हो रहा है, हर किसी की दुनिया फोन के इर्द–गिर्द घूम रही है.हर काम आप एक फोन कॉल करके आराम से कर सकते हैं. ऐसे में कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके लिए फोन कॉल चिंता का कारण भी बन जाता है. जी हां जब उनके फोन की बेल बजती है तो उन्हें घबराहट और चिंता होने लगती है. फोन उठाने से पहले वो 100 दफा सोचते हैं. अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो ये एक तरह की समस्या है. इसे फोन कॉल एंग्जाइटी के नाम से जाना जाता है. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...

फोन कॉल एंग्जाइटी क्या है?: फोन कॉल एंग्जाइटी, जिसे टेलीफोबिया या टेलीफोनिक चिंता के रूप में भी जाना जाता है. एक अजीब तरह की चिंता होती है जिसे व्यक्ति फोन कॉल करते या उठाते समय अनुभव करता हैं.इसमें फोन बजने पर हम सोचने लगते हैं कि फोन उठाना चाहिए या नहीं. ये फोन कॉल एंग्जाइटी नॉर्मल, स्ट्रेस और तनाव का ही एक रूप है. इसमें व्यक्ति को फोन पर किसी से बात करने का मन नहीं करता है. व्यक्ति ये सोचने लगता है कि सामने वाला व्यक्ति फोन पर उससे किस तरह से बात करेगा. फोन पर बात करते वक्त किसी तरह की असुविधा तो नहीं होगी वगैरा–वगैरा...

फोन कॉल एंग्जाइटी कई स्थितियों में पैदा हो सकती है

'जॉब रिलेटेड फोन कॉल या फिर बिजनेस को लेकर क्लाइंट से इंपॉर्टेंट डिस्कशन को लेकर चिंतित महसूस करना

'दोस्तों या परिवार के सदस्यों को मिलने या प्लान बनाने के लिए बुलाने के बारे में चिंतित महसूस करना. 'फोन पर अपॉइंटमेंट लेते समय या सामान ऑर्डर करते समय अत्यधिक घबराहट होना.

फोन कॉल एंग्जाइटी के लक्षणः ' फोन कॉल की एंग्जाइटी से ग्रस्त व्यक्ति अक्सर कॉल करते या उठाते समय तेज दिल की धड़कन या सीने में तेज सनसनी का अनुभव करते हैं.

'अत्यधिक पसीना आना और हाथ या आवाज कांपना फोन कॉल चिंता से जुड़े सामान्य शारीरिक लक्षण हैं.

'जिन लोगों को फोन कॉल एंजाइटी होती है उन्हें इस बात का डर लगा रहता है कि सामने वाला आपको नेगेटिव जज तो नहीं करेगा.

'फोन कॉल एंग्जाइटी के शिकार लोगों को बातें शुरू करने और खत्म करने में हिचकिचाहट होना भी शमिल है.

'कई बार फोन उठाने के कुछ देर बाद हम खामोश रहते हैं और कुछ भी बोल नहीं पाते हैं. ऐसे में हमें फोन उठाने से पहले इस खामोशी से गुजरने का डर लगा रहता है.